सांध्य दैनिक
4PM
जिद...सच की
www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_SanjayS YouTube @4pm NEWS NETWORK
● वर्ष: 11 ● अंक: 27 ● पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, गुरुवार, 27 फरवरी, 2025
मूल्य ₹ 3/-

सबसे बड़ा गुरु मंत्र है। कभी भी अपने राज दूसरों को मत बताएं। ये आपको बर्बाद कर देगा।

-चाणक्य

इंग्लैंड चैंपियन ट्रॉफी से... 7 | महाराष्ट्र में सियासी रस्साकसी फिर... 3 | भगदड़ में मरने वालों के परिजनों... 2

नीतीश कुमार को शिंदे बनाना चाहती है बीजेपी!

बिहार में लगातार घट रही है नीतीश की ताकत

» अलर्ट, जदयू नेता कहीं पलट न दें बाजी

□□□ 4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। बिहार सरकार के बहुप्रतिक्षत मंत्रीमंडल विस्तार के बाद सीएम नीतीश कुमार की चुप्पी बड़े राजनीतिक बवंडर के संकेत दे रही है। नीतीश कुमार ने विस्तार के बाद सिर्फ यह तीन शब्द बोले हैं और वह है सब को बधाई। आखिर सब में कौन–कौन शामिल है? जिस चतुराई से बिहार में भारतीय जनता पार्टी ने नीतीश कुमार को किनारे लगाने की राजनीति की है वह नीतीश भी जानते हैं।

नीतीश कुमार को पता है कि जितनी तेजी से उनकी राजनीतिक हैसियत कम हो रही है उतनी ही तेजी से उनकी मुटठी से मुख्यमंत्री पद फिसल रहा है। उनको पता है कि यदि यह इलेक्शन बीजेपी के साथ लड़ा तो स्थिति और ज्यादा खराब होगी। ऐसे में क्रीज पर संभल कर खेल रहे नीतीश कुमार ने वेट एंड वाच की पालिसी अपनाई है। वह बीजेपी से पंगा लिये बिना बीजेपी का खेल बिगाड़ना चाहते हैं।

बीजेपी का पलड़ा भारी

बिहार में जेडीयू के 45 विधायक हैं। बीजेपी के अभी 80 विधायक हैं। दोनों पार्टी में ये समझौता पहले ही हुआ था कि प्रति तीन से चार विधायक पर एक मंत्री होगा इस फॉर्मूले के तहत ही जेडीयू के 13 मंत्री पहले से हैं, लेकिन बीजेपी के कोटे से 15 मंत्री ही थे। बीजेपी छह मंत्री और बना सकती थी। दिलीप जायसवाल के इस्तीफे के बाद बीजेपी ने सात मंत्री बना दिये। यानि कि बीजेपी के कुल 21 मंत्री सरकार में हो गये। जबकि नीतिश के सिर्फ 13 मंत्री ही है।

सरकार की नाकामियों का ठीकरा भाजपा पर फोड़ सकते हैं सीएम

चुनाव में सरकारी जवाबदेही से अब बीजेपी पीछे नहीं हट सकती।

क्योंकि बीजेपी आलाकमान जो कुछ नीतीश से कह रहा है नीतीश वह सबकुछ कर रहे हैं। ऐसे में निगेटिव वोटिंग और सरकार के काम–काज से नाराज मतदाता चुनाव में क्या करेंगे यह सभी को पता है। वहीं चुनाव में नीतीश कुमार सरकार की नाकामियों का ठीकरा बीजेपी पर फोड़ सकते हैं।

2010 के चुनाव में जेडीयू ने 141 सीटों पर चुनाव लड़ा और 115 सीटें जीती थी

तेजी से बढ़ रहा है खतरा!

20 साल पहले जिस जेडीयू के बीजेपी से दोगुने से ज्यादा मंत्री सरकार में होते थे। वो गणित अब पूरी तरह पलट चुका है। 2020 में जेडीयू के 19 मंत्री थे और बीजेपी के सात। साल दर साल जेडीयू के सरकार में मंत्री घटते गए और उतनी ही तेजी से बीजेपी के मंत्री बढ़ते गए। आज स्थिति ये है कि नीतीश कुमार की कुर्सी समेत कुल 13 मंत्री उनकी अपनी सरकार में जेडीयू के हैं, और बीजेपी के 21 मंत्री हो चुके हैं वह इसलिए कि बीजेपी के विधायकों की संख्या जेडीयू के विधायकों की संख्य से ज्यादा है।

जाति और क्षेत्रीय गणित से बने मंत्री

जिन सात मंत्रियों ने शपथ ली है उनकी जाति और क्षेत्रीय गणित से नीतिश के माथे पर बल आ रहे हैं। बीजेपी के 21 मंत्रियों में एक भी यादव मंत्री नहीं बनाया गया है। वही कुर्मी जाति के तेजतर्रार बीजेपी मंत्री कृष्ण कंमार मंटू कुर्मी जाति से आते हैं और रिजल्ट देने की बात कर रहे हैं।

बिहार में जदयू का आंकड़ा

- वर्ष 2010 के चुनाव में जेडीयू ने 141 सीटों पर चुनाव लड़ा और 115 सीटें जीती थी, जबकि बीजेपी ने 102 सीटों पर चुनाव लड़ा और 91 सीटें जीती।
- वर्ष 2015 के विधानसभा चुनाव में नीतीश कुमार महा गठबंधन के साथ मिलकर लड़े। जेडीयू को लड़ने के लिए 101 सीटें मिलीं। जिसमें उन्होंने 71 सीटों पर जीत दर्ज की। यहां से नीतिश कुमार की सीटें घटनी शुरू हुई।
- 2020 का विधानसभा चुनाव नीतिश कुमार ने एनडीए के साथ लड़ा। इस बार उन्हें 115 सीटें मिली। वहीं बीजेपी को 110 सीटों पर चुनाव लड़ने का मौका मिला। इस चुनाव में नीतिश कुमार को 43 सीटों पर जीत मिली जबकि पिछले चुनाव में उन्हें 71 सीटों पर जीत मिली थी। आंकड़ा साफ बताता है कि नीतिश को नुकसान हुआ।

बीजेपी से छिटक सकते हैं नीतीश

जब सबकुछ सही सही चल रहा हो तो फिर निगेटिव बात करने का क्या मतलब। नीतीश कुमार आखिर बीजेपी से क्यों छिटक जाएंगे? इस सवाल का जवाब महाराष्ट्र की राजनीति से मिल जाएगा। वहां क्या हुआ यह नीतिश को पता है । नीतीश कुमार को पता है कि सात नए मंत्री सरकार में लाकर बीजेपी ने जाति-क्षेत्र के उस गणित को साध लिया है, जिससे बीजेपी को चुनाव में और ज्यादा फायदा हासिल होगा। बीजेपी का ज्यादा फायदे का मतलब उसको चुनाव में ज्यादा सीटें मांगने का अधिकार मिल जाएगा। जेडीयू पहले से ही हाशिये पर है। ऐसे में यदि नीतिश ज्यादा सीटें देंगे तो फिर खुद उनके लिए क्या बचेगा। बस यही सोच कर नीतिश बेचैन है और बीजेपी की इस फिरकी की काट की तलाश कर रहे हैं। उन्हें पता है कि राजनीति में कब कौन सा दाव कहां पर चला जाता है।

लालू यादव मेरे अंकल : निशांत

बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के बेटे निशांत कुमार इन दिनों सक्रिय हुए हैं। अक्सर मीडिया से दूरी बनाकर रहने वाले निशांत इन दिनों जब खुलकर बिहार की राजनीति और आगामी बिहार विधानसभा चुनाव पर प्रतिक्रिया देने लगे तो सियासी गलियारे में तरह-तरह के कयास भी उन्हें लेकर लगाए जाने लगे। निशांत ने एनडीए को फिर से जीत दिलाकर अपने पिता नीतीश कुमार को फिर एकबार मुख्यमंत्री बनाने की अपील की है। एक यूट्यूब न्यूज पोर्टल पर बातचीत के दौरान निशांत कुमार से जब पूछा गया कि क्या आपको लालू यादव आपको पसंद है? तो उन्होंने कहा कि वो मेरे अंकल हैं, पिताजी के साथ स्टूडेंट फाइटर रहे, जब से जेपी हैं, तब से साथ ही दोनों रहे हैं तो ठीक हैं। तेजस्वी यादव ने भी निशांत को अपना भाई बताया था। वहीं जब तेजस्वी यादव ने नीतीश कुमार की सेहत को लेकर सवाल उठाना शुरू किया तो निशांत ने मोर्चा थामा और तेजस्वी के बयान को गलत बताते हुए कहा कि उनके पिता बिल्कुल स्वस्थ हैं और आराम से वो अगले पांच साल भी सीएम बनकर सरकार चला सकते हैं। वहीं पीएम मोदी ने जब भागलपुर रैली में नीतीश कुमार को लाडला मुख्यमंत्री कहा तो इसपर प्रतिक्रिया देते हुए निशांत ने खुशी जाहिर की थी और कहा था कि गठबंधन में है तो वो कहेंगे ही।

भगदड़ में मरने वालों के परिजनों का दर्द बढ़ा रहे सीएम योगी : अखिलेश यादव

सपा प्रमुख ने कहा- एक महीने और बढ़ाया जाए महाकुंभ, अभी बड़ी संख्या में आ रहे हैं लोग

» बोले- आने वाले विस चुनाव में भाजपा की रिकार्ड हार होगी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। सपा अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ पर जमकर हमला बोला है। सपा मुखिया ने सीएम अमर्यादित और अलोकतांत्रिक भाषा का प्रयोग करते हैं। इस सरकार ने किसानों, नौजवानों, महिलाओं, व्यापारियों और विपक्षी दलों के नेताओं को अपमानित और बदनाम करने का अभियान चलाया। अब तो हद हो गई है कि मुख्यमंत्री महाकुंभ की भगदड़ में मरने वाले लोगों के परिवारों की मदद करने के बजाय उन्हें अपमानित करके उनका दर्द बढ़ा रहे है।

अखिलेश यादव ने जारी बयान में कहा कि लोकतंत्र में जनता जनार्दन होती है। भाजपा सरकार का रवैया जनता के प्रति तानाशाही वाला है। भाजपा राज में लोगों को स्वतंत्र रूप से बोलने और लिखने का अधिकार नही रह गया है। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार में अन्याय और अत्याचार चरम पर है। आने वाले विधानसभा चुनाव में भाजपा की रिकार्ड हार होगी। उन्होंने कहा कि समाजवादी सरकार ने 2013 में भव्य और शानदार कुंभ का आयोजन किया था। हार्वर्ड विश्वविद्यालय की टीम ने कुंभ के प्रबंधन और व्यवस्थाओं की सराहना की। हमने हार्वर्ड विश्वविद्यालय के अध्ययन की हिंदी और अंग्रेजी की किताब अपने विधायक कमाल अख्तर के जरिये मुख्यमंत्री को भेजी है। अखिलेश यादव ने फिर कहा कि कुंभ में स्नान के लिए अभी भी बड़ी संख्या में लोग रह गए हैं। इसका आयोजन एक महीना और बढ़ाया जाना चाहिए।

दोषपूर्ण जीएसटी ने व्यापार और व्यापारियों को तबाह कर दिया

सपा अध्यक्ष ने कहा कि दोषपूर्ण जीएसटी ने व्यापार और व्यापारियों को तबाह कर दिया है। भाजपा सरकार छापे डलवाकर व्यापारियों के साथ अत्याचार कर रही है। इस सरकार की जीरो पावर्टी योजना धोखा है। भाजपा सरकार ने जनता की आस्था को व्यापार बना दिया है। दान, पुण्य, सेवा के कुंभ को मुख्यमंत्री ने कारोबार बना दिया।

अखिलेश को भेंट किया गंगाजल का कलश

सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव को महाशिवरात्रि के अवसर पर वाराणसी के डॉ. हेमंत कुमार ने दशाश्वमेघघाट, वाराणसी से लाकर गंगाजल का कलश भेंट किया। अखिलेश यादव ने कहा कि गंगा के निर्मल प्रवाह के साथ शांति एवं सद्भावना बनी रहे, जीवन में शुचिता हो, यही आज के दिन का संदेश है।

प्रयागराज दौरा पहले से था तय, सोच समझ कर टिप्पणी करें विरोधी : मुख्यमंत्री सुक्खू

शिमला। मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने धर्मपुर के पट्टा मोड़ स्थित प्राचीन शिव मंदिर में शिवरात्रि के मौके पर शीश नवाया। इस दौरान पत्रकारों से अनौपचारिक बातचीत के दौरान प्रयागराज जाने पर विरोधियों की ओर से की जा रही टिप्पणी पर कहा कि उनका प्रयागराज जाना पहले से तय था। जो लोग उन पर टिप्पणी कर रहे हैं, उन्हें बोलने से पहले सोचना चाहिए। सोमवार को हिमाचल की पुत्री पार्वती की हल्दी रस्म थी, इसलिए वह प्रयागराज में स्नान के लिए गए और वहां पर उन्होंने अद्भुत नजारा देखा। पार्वती एक देवी हैं। मुख्यमंत्री दोपहर करीब 4 बजे शिमला जाते समय यहां पर रुके और मंदिर में पूजा-अर्चना की। करीब 20 मिनट तक मुख्यमंत्री मंदिर परिसर में रहे। इस दौरान भगवान भोलेनाथ का जलाभिषेक किया और प्रसाद भी ग्रहण किया। मुख्यमंत्री बोले कि जब वह मुख्यमंत्री नहीं थे तब भी इस मंदिर में शीश नवाते थे। वहीं आज शिवरात्रि पर्व के मौके पर उन्हें फिर से यहां आने का मौका मिला, जो उनका सौभाग्य है। गौर रहे कि मुख्यमंत्री ने बीते कल प्रयागराज संगम में स्नान किया था, जिसके बाद वह आज शिमला लौटे।

मप्र में नर्सिंग कॉलेज की मान्यता के नाम पर हो रहा फर्जीवाड़ा : सिंघार

» नेता प्रतिपक्ष बोले- सरकारी संरक्षण, जांच में हो रही लीपापोती

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

भोपाल। जबलपुर हाईकोर्ट ने अपात्र नर्सिंग कॉलेजों को मान्यता देने वाले इंडियन नर्सिंग काउंसिल, एमपी नर्सिंग काउंसिल और एमपी मेडिकल साइंस यूनिवर्सिटी के तत्कालीन जिम्मेदारों की लिस्ट मांगा है। इस मामले को लेकर मध्य प्रदेश विधानसभा नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने सवाल खड़े किए हैं।

सिंघार ने सोशल मीडिया एक्स पर लिखा कि नर्सिंग कॉलेज को मान्यता के नाम पर फर्जीवाड़ा को क्या सरकारी संरक्षण मिल रहा है। सरकार इस मामले में जिस तरह की लचर कार्यवाही कर रही और लीपापोती करने की कोशिश कर रही, वह बेहद गंभीर मामला है। उन्होने लिखा कि मैंने इस मुद्दे को विधानसभा में उठाया था

और छात्रों के हित की बात रखी थी। दरअसल नर्सिंग कॉलेज फर्जीवाड़ा सरकार और अफसरों के गले की फांस बनता जा रहा है। हाईकोर्ट ने सख्त रुख अपनाते हुए उन अफसरों की सूची तलब की है, जिनकी अपात्र कॉलेजों की मान्यता और संबद्धता देने में भूमिका रही। जस्टिस संजय द्विवेदी व अचल कुमार पालीवाल की पीठ ने सीसीटीवी संबंधी रिपोर्ट पेश न करने पर भी फटकार लगाते सेंट्रल लैब डायरेक्टर को तलब किया है। लॉ स्टूडेंट्स एसोसिएशन अध्यक्ष विशाल बघेल समेत अन्य नर्सिंग मामलों में पीठ ने सुनवाई की। सीबीआइ जांच में नर्सिंग कॉलेजों के अपात्र घोषित होने और कई के बंद होने का मामला उठा।

न हम भाजपा को पसंद करते हैं न वे हमें : उमर

» बोले- केंद्र के साथ मिलकर काम करना हमारी जिम्मेदारी है

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने कहा कि केंद्र के साथ मिलकर काम करना और भाजपा की राजनीति को स्वीकार करने में बड़ा अंतर है। कुछ लोगों को लगता है कि अगर हम केंद्र के साथ काम कर रहे हैं, तो हम उनके साथ हैं। न भाजपा नेकां को पसंद करती है और न नेकां भाजपा को पसंद करती है।

जम्मू-कश्मीर के लोगों के लिए हम केंद्र के साथ मिलकर काम करें, यह हमारी जिम्मेदारी है। केंद्रशासित प्रदेश और राज्य में जमीन आसमान का फर्क है। इसे खुद समझने और समझाने में समय लगता है। हमें चार महीने सरकार में हुए हैं। पहले बजट में हमारा विजन होगी, उसमें हमारी छाप दिखेगी। चार महीने में मेरी सरकार ने क्या किया, क्या नहीं किया वो विधानसभा में कहूंगा। उन्होंने कहा कि मुझे नहीं लगा था कि मीरवाइज को केंद्र से सुरक्षा मिलेगी। हालात बदले और बेहतर हुए हैं। मुख्यमंत्री ने एक टीवी चैनल के कार्यक्रम में कहा, उपराज्यपाल का यह कहना कि विधानसभा में पहली बार रात 11 बजे तक प्रचार हुआ, ये गलत है। मैंने 2004 में लोकसभा चुनाव में रात को प्रचार किया है। जम्मू में बॉर्डर पर्यटन की बड़ी संभावना है। जम्मू-कश्मीर के लोगों की एक सोच नहीं हो सकती है। मुख्यमंत्री ने कहा कि आतंकी हमलों में कमी आई है। हालांकि जम्मू संभाग में आतंकवाद बढ़ा है, जो हमारे दौर में नहीं था।

इंडिया गठबंधन में हमें एक साथ चुनाव लड़ना चाहिए था

इंडिया ब्लॉक पर कहा कि हमें एक साथ लोकसभा के साथ विधानसभा का चुनाव लड़ना चाहिए। उन्होंने कहा कि जम्मू-कश्मीर का विलय और विलय के लिए तय शर्तें हमारी लिए एक जैसी है। एक को कम या ज्यादा नहीं कर सकते हैं। किस व्यवस्था के लिए 370 हटाया गया, यह अभी तक कोई नहीं बता पाया है।

उमर के 370 वाले बयान पर विपक्ष ने किया तीखा हमला

मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने अनुच्छेद 370 के बाद हालात में सुधार की बात कही है। इससे जम्मू-कश्मीर के राजनीतिक गलियारों में हलचल आ गई है। उमर के इस बयान को लेकर विपक्षी दल पीडीपी ने आलोचना की है, वहीं, मीरवाइज उमर फारूक ने भी सवाल उठाए हैं। पीडीपी नेता एवं विधायक वहीद पर्रा ने एक्स पर लिखा, प्रिय उमर अब्दुल्ला साहब, चूंकि आप अब शांति का समर्थन कर रहे हैं- अगर आज कश्मीर में शांति दिख रही है, तो इसकी वजह यूएपीए, पीएसए, एनआईए, घरों और संपत्तियों की कुर्की, सत्यापन, कड़े कानूनों के तहत कैदियों को बाहर रखना और कर्मियों को नौकरी से निकालना है।

कांग्रेस के किसान संगठन में बड़ा बदलाव

» एक साथ बदले गये चार प्रदेश अध्यक्ष

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

भोपाल। कांग्रेस ने मध्य प्रदेश संगठन में बड़ा बदलाव किया है। पार्टी ने मुरैना जिले के कद्दावर नेता दिनेश गुर्जर को किसान कांग्रेस के अध्यक्ष पद से हटा दिया है। उनकी जगह सीहोर के पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष धर्मेंद्र सिंह चौहान को किसान कांग्रेस का अध्यक्ष बनाया गया है।

कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव (संगठन) केसी वेणुगोपाल ने 26 फरवरी को एमपी-छत्तीसगढ़ सहित 4 राज्यों के किसान कांग्रेस अध्यक्ष नियुक्त किए हैं। मध्य प्रदेश में धर्मेंद्र सिंह चौहान, छत्तीसगढ़ में अभिषेक मिश्रा, आंध्र प्रदेश में कामना प्रभाकर राव और त्रिपुरा में अशोक कुमार वैद्य को किसान कांग्रेस का अध्यक्ष बनाया है। मध्य प्रदेश में अभी किसान कांग्रेस की कमान दिनेश गुर्जर संभाल रहे थे। जो मुरैना से विधायक निर्वाचित होने के बाद संगठन में पर्याप्त समय नहीं दे पा रहे थे। जिस कारण पार्टी ने उनकी जगह सीहोर के पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष धर्मेंद्र सिंह चौहान किसान कांग्रेस अध्यक्ष की जिम्मेदारी सौंपी है।

महाराष्ट्र में सियासी रस्साकसी फिर चरम पर

- फडणवीस-शिंदे के शीतयुद्ध के बीच अजित का भी तंज
- शिंदे के हल्के में न लेने वाला बयान सुर्खियों में
- यूबीटी शिवसेना ने महायुति पर किया वार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। महाराष्ट्र में सियासी रसाकस्सी चरम पर है। कभी चाचा शरद पवार भतीजे अजित पवार पर वार कर रहें हैं तो कभी अजित पवार सरकार में सहयोगी एकनाथ शिंदे पर पलटवार कर रहें। कुल मिलाकर महायुति की अंदरुनी राजनीति का अब महाविकास अघाड़ि ने भी सवाल उठाना शुरू कर दिया हे। अभी हाल में उप मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने कहा था कि उन्हें कोई हल्के में न ले इस पर अजित पवार ने आश्चर्य जताया कि क्या शिंदे का यह कहना था कि शिवसेना-यूबीटी या किसी और को हल्के में नहीं लिया जाना चाहिए।

शिंदे, जिन्होंने पवार के बाद बात की, ने विस्तार से नहीं बताया और केवल इतना कहा कि मुझे हल्के में न लें टिप्पणी दो साल पहले हुई एक घटना का संदर्भ थी। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित पवार ने एकनाथ शिंदे की मुझे हल्के में मत लो वाली टिप्पणी पर उन पर कटाक्ष करते हुए कहा कि यह अभी भी स्पष्ट नहीं है कि उनकी टिप्पणी का निशाना कौन था। यहां 98वें अखिल भारतीय मराठी साहित्य सम्मेलन के समापन सत्र को संबोधित करते हुए, पवार ने आश्चर्य जताया कि क्या शिंदे का यह कहना था कि शिवसेना-यूबीटी या किसी और को हल्के में नहीं लिया जाना चाहिए। शिंदे, जिन्होंने पवार के बाद बात की, ने विस्तार से नहीं बताया और केवल इतना कहा कि मुझे हल्के में न लें टिप्पणी दो साल पहले हुई एक घटना का संदर्भ थी। उधर सत्तारूढ़ महायुति और विपक्षी महा विकास अघाड़ी (एमवीए) दोनों खेमों में दरार की अफवाहों के बीच, महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) राज ठाकरे ने कार्यक्रम में राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री और उनकी पत्नी रश्मी ठाकरे से मुलाकात की।

शिंदे ने एक मुहावरा इस्तेमाल किया : अजित पवार

पवार ने कहा कि हाल ही में शिंदे ने एक मुहावरा इस्तेमाल किया था मुझे हल्के में मत लेना। यह अभी भी स्पष्ट नहीं है कि उन टिप्पणियों का निशाना कौन था। पवार ने तालकटोरा स्टेडियम में शिंदे, जो डिप्टी सीएम भी हैं, की मौजूदगी में कहा, यह अभी भी स्पष्ट नहीं है कि मशाल को हल्के में नहीं लिया जाना चाहिए या किसी और को उसे हल्के में नहीं लेना चाहिए। मशाल उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली शिवसेना-यूबीटी का चुनाव चिन्ह है। पवार ने यह भी स्पष्ट किया कि भाजपा-राकांपा-शिवसेना वाले महायुति के भीतर कोई दरार नहीं है। शिंदे 2022 में ठाकरे के नेतृत्व वाली सेना को विभाजित करके और भाजपा के साथ गठबंधन बनाकर मुख्यमंत्री बने थे।

शिवसेना-यूबीटी पर भी कटाक्ष किया

2024 के महाराष्ट्र विधानसभा चुनावों के बाद, शिंदे को पिछली सरकार में उनके डिप्टी रहे देवेंद्र फड़णवीस के मुख्यमंत्री बनने के साथ भूमिका में बदलाव के लिए सहमत होना पड़ा। रविवार को कार्यक्रम में शिंदे ने याद किया कि मुख्यमंत्री के रूप में उनके कार्यकाल के दौरान केंद्र सरकार द्वारा मराठी को शास्त्रीय भाषा का दर्जा दिया गया था। उन्होंने यह याद करते हुए शिवसेना-यूबीटी पर भी कटाक्ष किया कि कैसे उनके राजनीतिक प्रतिद्वंद्वी एनसीपी-एसपी प्रमुख शरद पवार के हाथों महादजी शिंदे पुरस्कार प्राप्त करने से नाराज थे। उन्होंने सम्मेलन के उद्घाटन के दौरान शरद पवार और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के बीच सौहार्द्र का भी जिक्र किया।

क्या फिर से एक होगा ठाकरे परिवार

मनसे प्रमुख राज ठाकरे ने मुंबई में एक शादी समारोह में अपने चचेरे भाई और शिवसेना (यूबीटी) प्रमुख उद्धव ठाकरे से मुलाकात की, जिससे अटकलें तेज हो गईं कि वे महाराष्ट्र में नागरिक चुनावों से पहले अपने राजनीतिक मतभेदों को सुलझाने के इच्छुक हो सकते हैं। राजनीतिक रूप से अलग हो चुके चचेरे भाई रविवार शाम अंधेरी इलाके में एक सरकारी अधिकारी महेंद्र कल्याणकर के बेटे की शादी में एक साथ देखे गए। राज ठाकरे ने कार्यक्रम में राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री और उनकी पत्नी रश्मी ठाकरे से मुलाकात की। राजनीतिक पर्यवेक्षकों ने कहा कि ऐसी संभावना है कि मनसे और सेना (यूबीटी) राज्य में होने वाले नकदी-समृद्ध बृहन्मुंबई नगर निगम सहित नागरिक निकाय चुनावों के मद्देनजर अपने राजनीतिक मतभेदों को हल करना चाहते हैं। निकाय चुनाव का कार्यक्रम अभी घोषित नहीं हुआ है। पिछले दो महीनों में चचेरे भाइयों के बीच यह तीसरी सार्वजनिक बैठक थी, जिससे दोनों पार्टियों के बीच संबंधों में नरमी की अटकलें और तेज हो गईं। राज ठाकरे ने 2005 में शिवसेना (तब अविभाजित) छोड़ दी और अगले वर्ष अपनी पार्टी बना ली। पिछले साल 288 सदस्यीय महाराष्ट्र विधानसभा के चुनावों में, विपक्षी एमवीए का हिस्सा, शिवसेना (यूबीटी) ने 20 सीटें जीतीं, जबकि एमएनएस को एक भी सीट नहीं मिली।

पंजाब में आप पर हाथ साफ करेगी कांग्रेस!

नेता प्रतिपक्ष बाजवा बोले- हमारे संपर्क में हैं आप के 32 विधायक, अरोड़ा ने पूछा- क्यों गए थे बंगलूरू, आप ने दावों को खारिज किया

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चंडीगढ़। दिल्ली विधानसभा चुनाव के नतीजों के बाद से ही सियासी गलियारों में पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान को पद से हटाए जाने की बातें लगातार सामने आ रही है। पंजाब विधानसभा के विशेष सत्र के पहले दिन की कार्रवाई स्थगित किए जाने के बाद नेता प्रतिपक्ष प्रताप सिंह बाजवा ने मीडिया के सामने आप के 32 विधायकों के उनके संपर्क में होने का दावा किया। हालांकि आप ने कांग्रेस के दावों को खारिज कर दिया है।

बाजवा ने कहा कि केंद्रीय एजेंसियां भी आप के विधायकों के संपर्क में हैं। नेता प्रतिपक्ष बाजवा ने यहां तक कहा कि महाराष्ट्र से मोहाली एयरपोर्ट पर जब विमान उतरेगा, तो उसमें सीएम भगवंत मान सबसे पहले चढ़ेंगे। बाजवा ने कहा कि उनका 45 साल का सियासी अनुभव है। वह यूं ही यह दावा नहीं कर रहे। कोई बड़ी बात नहीं कि आप पंजाब के प्रधान और कैबिनेट मंत्री अमन अरोड़ा खुद उनके साथ कांग्रेस में आ जाएं।

झूठी बयानबाजी के जरिये कई चीजें छिपा रहे हैं बाजवा : अरोड़ा

आप के कैबिनेट मंत्री अमन अरोड़ा ने कहा कि नेता प्रतिपक्ष विधानसभा में केवल अपने 15 विधायकों के साथ एकजुट होकर फोटो खिंचावाकर यह साबित कर दें कि वह उनके साथ हैं। अरोड़ा ने कहा कि असल बात यह है कि इन झूठी बयानबाजी के जरिये वह कई चीजें छिपा रहे हैं। राहुल गांधी को यह पता करना चाहिए कि आखिरकार बाजवा बीते दिनों बंगलूरू क्या करने गए थे।

बाजवा अगर 32 ले गए, तो भी 62 विधायकों के साथ 'आप' सरकार सुरक्षित

आप के पंजाब के प्रधान और कैबिनेट मंत्री अमन अरोड़ा ने कहा कि अगर नेता प्रतिपक्ष प्रताप सिंह बाजवा के दावे को सही भी मान लिया जाए, तब भी पंजाब में आप की सरकार पूरी तरह महफूज है। आप के पास इस समय 94 विधायक हैं। 94 में से अगर 32 विधायक नेता प्रतिपक्ष बाजवा के पास चले भी जाते हैं, तो कांग्रेस के 15 विधायकों के साथ उनके पास कुल 47 विधायक होंगे। आप के पास फिर भी 62 विधायक रहेंगे, जो सरकार को बहुमत के साथ महफूज रखने में काफी हैं। दरअसल, नेता प्रतिपक्ष बाजवा के पास विधानसभा में सरकार के खिलाफ कोई मुद्दा उठाने को नहीं है, इसलिए वह बेतुके बयान देकर लोगों को गुमराह कर रहे हैं।

बाजवा खुद भाजपा में जाने वाले हैं

कैबिनेट मंत्री अमन अरोड़ा ने कहा कि बाजवा अपने भाई के जरिये खुद वहां जाने की तैयारी कर रहे हैं। उनके भाई भाजपा में हैं। नेता प्रतिपक्ष ने बीते डेढ़ से दो महीने के अंदर भाजपा के कई वरिष्ठ नेताओं से मुलाकात की है। हालांकि, बाजवा ने कहा कि वह बंगलूरू में एक फार्म पर गए थे, जहां वह अकसर जाते रहते हैं। इस फार्म पर आप के नेशनल कन्वीनर अरविंद केजरीवाल और सीएम भगवंत मान भी जाते हैं।

आप के मंत्रियों-विधायकों की एडवांस बुकिंग शुरू

नेता प्रतिपक्ष बाजवा ने कहा कि जिस तरह दिलजीत के शो के लिए एक साल पहले से ही एडवांस बुकिंग होती है, उसी तरह आप के मंत्रियों और विधायकों की एडवांस बुकिंग शुरू हो गई है। आम आदमी पार्टी के सरकार के इस कार्यकाल के अंत से पहले उनके विधायकों और मंत्रियों ने दोबारा चुनाव लड़ने के लिए साफ रास्ता ढूंढना शुरू कर दिया है। बाजवा ने कहा कि समय आने पर वह कांग्रेस हाईकमान के जरिये उनमें से अच्छे कैंडिडेट्स के लिए बात करेंगे। जिस तरह फ्रूट मार्केट में कोई आम इंसान जाता है और वहां से अच्छे फलों को चुनता है, उसी तरह पार्टी हाईकमान उनके संपर्क में आप विधायकों का परफॉर्मेंस देखेगी।

जिद... सच की

Sanjay Sharma
editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

बच्चों पर तेजी से मंडरा रहा ऑनलाइन गेम का खतरा

एआई के बाद अब बच्चों के डिजिटल या ऑनलाइन गेम से पनप रहे जानलेवा खतरों को लेकर दुनियाभर में चिंता जताई जा रही है। ऑनलाइन गेम की लत के शिकार बच्चों को बचाने के लिए कई देश इस समय अलर्ट मोड पर हैं। ब्राजील, चीन, वेनेजुएला, जापान और ऑस्ट्रेलिया में ऐसे गेम्स पर प्रतिबंध है, जो हिंसक प्रवृत्ति पैदा करते हैं। चीन में 18 साल से कम उम्र वालों को शुक्रवार, शनिवार, रविवार या फिर सार्वजनिक छुट्टी के दिन सुबह 8 से रात 9 बजे के बीच अधिकतम 3 घंटे तक ही ऑनलाइन गेम की अनुमति है। सख्त नियमों के बावजूद ब्राजील के एक किशोर ने ऑनलाइन चैलेंज पूरा करने के लिए खुद को बटरफ्लाई फ्लूड का इंजेक्शन लगा लिया, जिससे उसकी मौत हो गई। लखनऊ में एक बीडीएस छात्र ने आत्महत्या का खौफनाक कदम उठाने से पहले अपने दोस्तों को ऑनलाइन गेम खेलने के लिए नोटिफिकेशन भेजा था। वहीं, लखनऊ के दूसरे मामले में ऑनलाइन गेम की लत के शिकार दसवीं के छात्र ने मोबाइल गेम में नुकसान के बाद आत्महत्या कर ली।ऑनलाइन गेम चैलेंज को लेकर बच्चों से जुड़ीं ये तो कुछ ही घटनाएं हैं। इससे पहले भी ब्लू वेल चैलेंज, द पास आउट चैलेंज, द सॉल्ट एंड आइस चैलेंज, द फायर चैलेंज और द कटिंग चैलेंज जैसे ऑनलाइन गेम दुनियाभर में हजारों बच्चों की जान ले चुके हैं। ब्लू वेल चैलेंज से दुनियाभर में 130 लोग और द पास आउट चैलेंज में एक हजार बच्चों की मौत खुद अपना गला दबाने या साथी का गला दबाने से हो चुकी है। द सॉल्ट एंड आइस चैलेंज खेलते समय तमाम बच्चे इसलिए अपंग हो गए क्योंकि उन्होंने अपने पैर माइनस 25 डिग्री बर्फ में 15 मिनट तक रखे थे। इसी तहर द फायर चैलेंज में बच्चे अपने शरीर पर ज्वलनशील पदार्थ डालकर आग लगाते हैं और द कटिंग चैलेंज में अपने शरीर में घाव कर टास्क पूरा करने के लिए वीडियो अपलोड करते हैं। तमाम अध्ययन बताते हैं कि 80 फीसदी बच्चों में ऑनलाइन चैलेंज जीतने का लालच उन्हें आपराधिक प्रवृत्ति का बना रहा है। यह जरूरी है कि अभिभावक, बच्चों के लिए मोबाइल के इस्तेमाल को सीमित कर दें। ऐसा इसलिए भी कि अधिक समय पर मोबाइल पर व्यस्त रहने वाले बच्चों में ऑनलाइन गेम की लत लगने की आशंका ज्यादा रहती है। ऑनलाइन गेम चैलेंज पूरा करने के लिए बच्चों के घर छोडने तथा गेम में फेल होने पर आत्महत्या के मामले भी सामने आ चुके हैं। भारत में भी ऑनलाइन गेम की रोकथाम के लिए सरकार को सख्त कानून बनाना होगा, वहीं अभिभावकों को बच्चों को मोबाइल से दूर रहने के जतन करने होंगे।

“ चीन में 18 साल से कम उम्र वालों को शुक्रवार, शनिवार, रविवार या फिर सार्वजनिक छुट्टी के दिन सुबह 8 से रात 9 बजे के बीच अधिकतम 3 घंटे तक ही ऑनलाइन गेम की अनुमति है। सख्त नियमों के बावजूद ब्राजील के एक किशोर ने ऑनलाइन चैलेंज पूरा करने के लिए खुद को बटरफ्लाई फ्लूड का इंजेक्शन लगा लिया, जिससे उसकी मौत हो गई।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

उनकी भी सोचें जिनसे किसी ने हमदर्दी नहीं जतायी

गुरबचन जगत

पंजाब- पांच दरियाओं की धरती,यूनानी जिसे पेंटापोटामिया (इसका अर्थ भी वही है) पुकारते थे। वह धरा जो प्राचीन काल में सिंधु घाटी सभ्यता, ऋग्वेद और महाभारत की रही। इसी भूमि पर सिकंदर ने झेलम के तट पर पोरस से युद्ध किया, बाबर ने इब्राहिम लोदी से युद्ध किया, एंग्लो-सिख युद्ध यहीं लड़े गए। पंजाब जैसी भूमि के उदाहरण कम ही हैं, जिसने सदियों तक आक्रमण, तबाही और लूटपाट झेली हो।

हम शुरुआत करते हैं 1947 के बाद से, यानी वह घड़ी जो एक शानदार युग की सुबह होने वाली थी। यह प्रभात शेष भारत में खुशी और धूप की तरह खिली, सिवाय पंजाब और बंगाल सूबों के। जो विभाजन हुआ, वह काफी हद तक पंजाब और बंगाल का था। अंग्रेजों द्वारा खींची गई और कांग्रेस नेतृत्व, गांधी और जिन्ना द्वारा स्वीकार की गई एक काल्पनिक रेखा ने पंजाब को बांट दिया। यह पंजाब के शरीर और आत्मा के टुकड़े करना था। इसने अपने पीछे हत्या, बलात्कार और तबाही की सुनामी छोड़ी। ऐसा रक्तपात पहले कभी नहीं हुआ और संभवत: इतिहास का विशालतम जबरन पलायन।

यह बड़ी उथल-पुथल कदाचित 1950 के दशक के शुरू में पश्चिमी दुनिया की ओर शुरू पलायन की पहली लहर के अंतर्निहित मुख्य कारणों में से एक थी। शुरू में, यह मामूली थी, अधिकांशत: यूके और उसके बाद कनाडा की तरफ। दो विश्वयुद्धों में इस इलाके का योगदान बहुत बड़ा था, और लौटकर आए फौजी यूरोप, अफ्रीका, दक्षिण पूर्व एशिया और मध्य पूर्व से कहानियां व अनुभव सुनाते थे। मनुष्य सदा बेहतर जिंदगी तलाशता रहा, और जब घर पर मौके निराशाजनक हों, तो वह बाहर की ओर देखता है। यहां देश में, पंजाबी जीवट धीरे-धीरे तारी हुई और अच्छे नेतृत्व और प्रशासन की मदद से, हमने बिखरे टुकड़े सहेजे और विभाजन की भयावहता पर काबू पाया और लगभग सामान्य जीवन जीने लगे। कुछ दशकों तक लगा कि हम समृद्धि-शांति की राह पर हैं। परंतु यह मृगतृष्णा साबित हुई और राजनीतिक-प्रशासनिक व्यवस्था में खामियां उभरने लगीं। पहले से बंटे पंजाब में और विभाजन की मांग की गई जो अंतत: सफल हुई। अकाली

सिख वर्चस्व वाला राज्य चाहते थे, वहीं पहाड़ी लोगों ने अपने लिए सुरक्षित सूबा मांगा, ठीक यही हरियाणा के लोगों ने किया। संयुक्त पंजाब को तीन राज्यों और एक केंद्र शासित प्रदेश में बांट दिया। चंडीगढ़, जिसे लाहौर के स्थान पर बतौर आधुनिक राजधानी विकसित किया गया था, वह भी जाती रही।

विभाजन से पूर्व के पंजाब सूबे के पांच प्रशासनिक संभाग थे। जलंधर (अब जालंधर), लाहौर, दिल्ली, मुल्तान और रावलपिंडी। इसे बड़ी उपलब्धि के रूप में सराहा गया, लेकिन असल में इसने पंजाब के पतन की शुरुआत की क्योंकि लड़खड़ाती अर्थव्यवस्था और पतनशील नेतृत्व ने अफरातफरी पैदा की। पहाड़ और उनके जंगल व जलीय स्रोत हिमाचल में वहीं राष्ट्रीय राजधानी की निकटता, इसके फायदे और यमुना किनारे की भूमि हरियाणा में चले गए। इस क्षेत्र का नाम बदलकर अब 'लघु आब' कर दिया जाना चाहिए क्योंकि यह अब 'पंज-आब' कहलवाने लायक नहीं रहा। अधिकांश विकास सूंचकाकों में ये तीनों राज्य फिसड्डियों में आते हैं। लोकतंत्र में वोट संख्या का महत्व होता है, जाहिर है संसद में 80 सीटों वाले राज्य की आवाज और उपस्थिति 10 या 13 सीटों वाले राज्य की तुलना में कहीं ज्यादा है। धीरे-धीरे युवाओं का कट्टरपंथीकरण होता गया और धर्म के नाम पर हिंसक आंदोलन के नये नारे देने वाला उग्रवादी नेतृत्व उभरा। इसके पीछे कई किस्म के नेताओं के हाथ-दिमाग थे, हालात बनते गए और हिंसा बढ़ती गई, उधर शासन की शक्ति बढ़ती गई। यह सब ऑपरेशन ब्लू स्टार त्रासदी और इंदिरा गांधी की हत्या का कारण बना, जिसके बाद भारत भर में सिखों का कत्लेआम हुआ व समय रहते उस पर अंकुश नहीं लगाया।

अगला दशक व्यर्थ गया, जिसमें रोजाना बेगुनाहों की हत्याएं होती रहीं। हमारे उत्तर-पश्चिमी पड़ोसी ने स्थिति का जमकर फायदा उठाया, चरमपंथ और आतंकवादी आंदोलन की आड़ में छद्म युद्ध चला दिया। पंजाब को इसकी कीमत चुकानी पड़ी। पाकिस्तान 1948, 1965 और 1971 में बड़ी लड़ाइयां हार चुका था,वह बदला लेने की ताक में था और यह मौका हमने तश्तरी में रखकर दे दिया (1965 में भी पंजाब ने ही युद्ध का खमियाजा भुगता, क्योंकि ज्यादातर लड़ाई यहीं तक सीमित रही)। पंजाब में हालात फिर कभी पहले जैसे नहीं रहे और चुनाव होने तक, लगभग एक दशक राष्ट्रपति शासन रहा। जनता की मांग के बावजूद, पंजाब के लिए कोई वित्तीय पैकेज या विशेष विकास कार्यक्रम नहीं दिया गया, ताकि बेगुनाह लोगों के दशकों झेले आघातों की भरपाई हो पाती।

प्रेम की भाषा समझने से होंगे गहरे रिश्ते

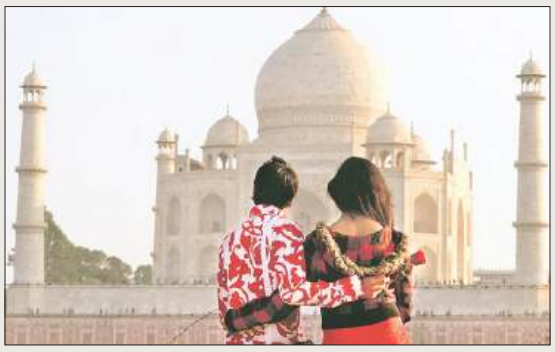

आप यह सोचकर हैरान हो रहे होंगे कि भला प्रेम की भी कोई भाषा होती है? ठीक उसी तरह जिस तरह भाषा विज्ञान के क्षेत्र में कई प्रमुख भाषा समूह हैं : हिंदी, जापानी, चीनी, स्पेनिश, अंग्रेजी, ग्रीक, जर्मन, फ्रेंच, पुर्तगाली, उर्दू, संस्कृत आदि। जीवन में अधिकतर लोग उसी भाषा से परिचित होते हैं, जो उनके इर्द-गिर्द बोली जाती है। जिस परिवेश में वे पले-बढ़े होते हैं।

रेनू सैनी

प्रेम एक ऐसा खूबसूरत अहसास है जिसमें पड़कर व्यक्ति दुनिया का सबसे अच्छा समय बिताता है। यों तो प्रेम का मौसम चौबीस घंटे और पूरे वर्ष रहता है लेकिन वसंत ऋतु में प्रेम की फुलवारी हर जगह बिखरी नजर आती है। प्रकृति को भी प्रेम पसंद है इसलिए तो बागों में फूल खिल जाते हैं, वृक्षों पर पक्षी कलरव करते नजर आते हैं और पशु भी झूमने लगते हैं। प्रेम वास्तव में एक ऐसी अनुभूति है जो उम्र, समय कुछ नहीं देखती। प्रेम तो बस एक नजर में हो जाता है, मगर वास्तविक आनंद तब है जब यह प्रेम जीवन भर बरकरार रहे। आजकल अधिकांश प्रेम, विवाह में परिवर्तित होते हैं। मगर कुछ समय बाद ही उनके संबंधों में खटास आने लगती है। ऐसा इसलिए होता है क्योंकि वे प्रेम में तो होते हैं, मगर एक-दूसरे की प्रेम की भाषा से अनजान होते हैं।

आप यह सोचकर हैरान हो रहे होंगे कि भला प्रेम की भी कोई भाषा होती है? ठीक उसी तरह जिस तरह भाषा विज्ञान के क्षेत्र में कई प्रमुख भाषा समूह हैं : हिंदी, जापानी, चीनी, स्पेनिश, अंग्रेजी, ग्रीक, जर्मन, फ्रेंच, पुर्तगाली, उर्दू, संस्कृत आदि। जीवन में अधिकतर लोग उसी भाषा से परिचित होते हैं, जो उनके इर्द-गिर्द बोली जाती है। जिस परिवेश में वे पले-बढ़े होते हैं। अगर एक व्यक्ति हिंदी भाषी परिवेश में पला-बढ़ा है, हिन्दी भाषा से अच्छी तरह परिचित है और दूसरा जापानी भाषा से। इस स्थिति में वे दोनों व्यक्ति आपस में अपनी संवेदनाओं और भावनाओं को व्यक्त नहीं कर पाएंगे। वे आपस में जितनी भी बातचीत करेंगे, वे सब संकेतों के माध्यम से होंगी।

जब दो लोग एक-दूसरे की भाषा को समझते हैं तो वे भावनात्मक रूप से अधिक मजबूत हो जाते हैं। प्रेम में भी यही होता है। विवाह के बाद अक्सर प्रेम जताने का एक का माध्यम अलग होता है तो दूसरे का कुछ और। ऐसे में वे एक-दूसरे के भावों और प्रेम को नहीं समझ पाते और मामला झगड़ों से बढ़कर अलगाव की स्थिति में जा पहुंचता है। जो लोग एक-दूसरे की प्रेम की भाषा को अंगीकार कर लेते हैं उनका प्रेम सदियों तक मिसाल बन जाता है।

एडवर्ड अष्टम ड्यूक ऑफ यार्क के सबसे बड़े बच्चे थे। एडवर्ड वेल्स के राजकुमार बन गए। वर्ष 1920 के दशक में एडवर्ड ने ब्रिटेन के अभावग्रस्त क्षेत्रों में जाकर वहां के लोगों के बीच अत्यंत लोकप्रियता प्राप्त कर ली। उनके जमीन से जुड़े हुए स्वभाव के कारण आम जनता उनसे बहुत प्रभावित हुई। वर्ष 1936 में जॉर्ज पंचम की मृत्यु के बाद उन्हें राजा बना दिया गया। सभी उन्हें भविष्य के एक कुशल राजा के रूप में देख रहे थे। मगर तभी एडवर्ड की मुलाकात एक व्यवसायी की पत्नी वालिस सिंपसन से हो गई। कुछ ही मुलाकातों के बाद वे उनसे प्रेम करने लगे। जिस समय एडवर्ड और सिंपसन की मुलाकात हुई उस समय एडवर्ड 41 और सिंपसन 32 वर्ष की थी। सिंपसन एक सामान्य महिला थी। उनका दूसरा विवाह भी टूटने के कगार पर था। सिंपसन के ऐसे हालात देखकर सबने एडवर्ड को उनके साथ संबंध खत्म करने के लिए कहा। तत्कालीन ब्रिटिश प्रधानमंत्री बैल्डविन, विपक्ष के नेता विंस्टन चर्चिल तथा चर्च के प्रधान ने उनसे साफ-साफ कह दिया कि यह विवाह नहीं हो सकता। सिंपसन किसी भी हालात में राजकुमार एडवर्ड की पत्नी नहीं बन सकती। मगर एडवर्ड नहीं माने।

आखिरकार एडवर्ड को विकल्प दिया गया कि वह चाहे तो सिंपसन से विवाह कर लें, लेकिन उनके बच्चों को सिंहासन का उत्तराधिकार नहीं मिलेगा। उन्हें सिंहासन और सिंपसन के साथ दांपत्य जीवन में से किसी एक को चुनने को कहा गया। सबको उम्मीद थी कि इस हालात में एडवर्ड सिंहासन को ही चुनेंगे। मगर एडवर्ड ने रेडियो पर यह घोषणा कर सबको दंग कर दिया कि, 'मैं एडवर्ड अष्टम, अपने लिए तथा अपने वंशजों के लिए सिंहासन के परित्याग की घोषणा करता हूं। आप यकीन करें कि राजा के रूप में अपनी जिम्मेदारी के भारी बोझ अपने कर्तव्यों का निर्वाह, जो मैं करना चाहूंगा उस स्त्री की मदद और सहयोग के बिना मेरे लिए असंभव है, जिसे मैं प्यार करता हूं।' इस घोषणा के तुरंत बाद उन्होंने इतिहास के उस पन्ने पर अपने स्वर्णिम हस्ताक्षर कर दिए, जिस पर दुनिया के महान प्रेमियों के नाम मौजूद हैं। उन्होंने जीवन भर सिंपसन के साथ एक अच्छा दांपत्य जीवन जिया ।

ऐसा इसलिए हो पाया क्योंकि सिंपसन एवं एडवर्ड एक-दूसरे के प्रेम की भाषा को दिल से अपना चुके थे। पियरे टीलहार्ड डे चार्डिन का कहना है कि, 'प्रेम दुनिया की सबसे शक्तिशाली और सबसे अनजानी ऊर्जा है ।' जब दो व्यक्तियों के मन में समर्पण, निष्ठा, ईमानदारी और जिम्मेदारी की भावना उत्पन्न हो जाती है तो वहां प्रेम की जड़ें गहराई से जम जाती हैं। ये प्रेम की गहरी जड़ें आने वाली कई पीढ़ियों तक अपने निशान छोड़ जाती हैं। इसलिए कहते हैं कि सच्चा प्रेम अजर-अमर होता है। प्रेम नश्वर नहीं होता। यदि आप भी प्रेम में हैं तो उस की गहराई में डूबकर देखिए । एक-दूसरे की इच्छाओं, भावनाओं, संकेतों को पढ़ना सीखिए। ऐसा करके आप प्रेम की भाषा में पारंगत हो जाएंगे और अपने प्रेम को उम्र भर निभाएंगे।

रीढ़ की हड्डी को मजबूत करेंगे ये योगासन

रीढ़ और छाती शरीर का महत्वपूर्ण हिस्सा है, जो शरीर को मजबूती और लचीलापन प्रदान करते हैं। छाती और रीढ़ को स्वस्थ और मजबूत बनाए रखने के लिए योगासन बेहद प्रभावी हैं। नियमित अभ्यास न केवल रीढ़ की हड्डी को लचीला बनाता है बल्कि छाती को खोलने और सांस की गुणवत्ता को बेहतर बनाने में भी मदद करता है। योग से छाती की मांसपेशियां मजबूत होती हैं और छाती का आकार बढ़ता है। कंधे मजबूत होते हैं और सांस लेने में सुधार होता है। फेफड़ों की क्षमता बढ़ाने और पाचन शक्ति मजबूत करने के लिए भी योग सहायक है। इन योगासनों को अपनी दिनचर्या में शामिल कर आप छाती और रीढ़ को स्वस्थ और लचीला बनाए रख सकते हैं। नियमित अभ्यास से न केवल शारीरिक बल्कि मानसिक स्वास्थ्य भी बेहतर होता है।

मार्जरी आसन

यह आसन रीढ़ की हड्डी को लचीला बनाने और छाती को खोलने में सहायक है। मार्जरी आसन नियमित रूप से करने से मोटापा कंट्रोल होता है। पेट से संबंधित समस्याएं जैसे - कब्ज, अपच और एसिडिटी की समस्या दूर होती है। इस आसन को करने के लिए सबसे पहले वज्रासन में बैठ जाएं। अब अपने दोनों हांथों को आगे की ओर जमीन पर रखें। अब दोनों हांथों पर भार डालते हुए हिप्स को उपर उठाएं और घुटनों पर 90 डिग्री का कोण बनाएं। गहरी सांस भरते हुए अपने सिर को पीछे की ओर झुकाएं। अपनी टेलबोन को ऊपर की ओर उठाएं। सांस बाहर छोड़ते हुए मुंह की ठुड्डी को सीने से लगाएं। इस स्थिति में कुछ देर रहने के बाद सामन्य अवस्था में आ जाएं। ऐसा 3-5 बार करना है।

भुजंगासन

भुजंगासन छाती को खोलने और रीढ़ को मजबूत बनाने के लिए बहुत फायदेमंद है। इस आसन से रीढ़ का लचीलापन बढ़ता है और छाती चौड़ी होती है। सांस की समस्याओं में राहत देता है। पीठ की मांसपेशियों का बल लगाते हुए आप कंधे भी उठाएं। हथेलियों पर थोड़ा दबाव रखते हुए छाती और नाभि तक का भार उठाएं। हर स्थिति में नाभि को जमीन से 30 सेंटीमीटर ही ऊपर उठाना चाहिए। ज्यादा नहीं, अन्यथा कमर भी उठ जाएगी। इस स्थिति में कोहनी सीधी नहीं होगी। इसके बाद आकाश की ओर देखें। इस अवस्था में सांस रोंके। कमर के निचले भाग पर खिंचाव आएगा, जिसे आप महसूस कर पाएंगे। इस स्थिति में 3-4 सेकंड तक रहें और फिर सामान्य अवस्था में आ जाएं। इसके साथ ही अपने डाइट चार्ट में ज्यादा से ज्यादा फल और मेवे शामिल करें। इससे कद बढ़ने लगेगा।

धनुरासन

यह योगासन छाती और रीढ़ को मजबूत और लचीला बनाने में मदद करता है। हालांकि, यह अक्सर महिलाओं के लिए ज्यादा लोकप्रिय माना जाता है, लेकिन हकीकत में पुरुषों के लिए भी इसके फायदे काफी जरूरी होते हैं। इसके अलावा यह हाइट बढ़ाने में भी मदद करता है। धनुरासन अंगों के दबाव को बढ़ाकर पाचन में सुधार करता है, कब्ज और अपच को कम करता है। यह आसन फेफड़ों को खोलकर श्वास क्षमता को बढ़ाता है, जो ऑक्सीजन के अवशोषण में सहायता करता है। धनुरासन हृदय गति को बढ़ाकर रक्त प्रवाह को सुधारता है, जो हार्ट हेल्थ के लिए फायदेमंद है। धनुरासन के अभ्यास के लिए पेट के बल लेटकर दोनों पैरों को मोड़ें और हाथों से टखनों को पकड़ें। गहरी सांस लेते हुए छाती और पैरों को ऊपर उठाएं। इस स्थिति में 15-20 सेकंड तक रहें। इस आसन से छाती खोलने और सांस की क्षमता बढ़ाने में मदद मिलती है। रीढ़ को मजबूत और लचीला बनाता है।

चक्रासन

रीढ़ की हड्डी और कमर से जुड़ी समस्याएं गलत पोश्चर में बैठने की वजह से लोगों में तेजी से बढ़ रही हैं। इन समस्याओं से छुटकारा पाने के लिए रोजाना चक्रासन का अभ्यास जरूर करना चाहिए। इसका अभ्यास आपके पेट, कूल्हे, रीढ़, शोल्डर ब्लेड से लेकर पीठ के निचले हिस्से और भुजाओं पर काम करता है, उन्हें मजबूती प्रदान करता है और कमर को लचीला बनाता है। जिससे रीढ़ को सीधा करने में मदद मिलती है। इसके अलावा प्रदूषित हवा में सांस लेने और स्मोकिंग करने की वजह से लोगों के फेफड़ों पर बहुत बुरा असर पड़ता है। कोरोना वायरस इन्फेक्शन ने भी लोगों के फेफड़ों को कमजोर किया है। फेफड़ों को हेल्दी और मजबूत बनाने के लिए रोजाना चक्रासन का अभ्यास बहुत फायदेमंद होता है।

चक्रासन के अभ्यास से कमर लचीली बनाती है जिससे रीढ़ को सीधा करने में मदद मिलती है।

हंसना मना है

सरदार लड़की वालों के यहां रिश्ता लेकर पहुंचा, मां-बाप बोले- हमारी बेटी अभी पढ़ रही है, सरदार बोला- कोई बात नहीं जी, हम एक-दो घंटे बाद आ जायेंगे।

लड़की- कितना प्यार करते हो मुझसे? लड़का- शाहजहांन जैसा, लड़की- तो ताजमहल बनवाओ, लड़का- जमीन खरीद ली है, बस तुम्हारे मरने का इंतजार कर रहा हूं।

पप्पू- मेरे बाप के आगे बड़े - बड़े लोग कटोरी लेके खड़े होते हैं, लड़की- अच्छा! कौन है तुम्हारा बाप? पप्पू- पानी पूरीवाला।

पप्पु बहूत देर से एक लड़की को घुर रहा था, लड़की- तेरे घर में मां बहन नहीं है क्या? पप्पु- है न तभी तो देख रहा हूं, क्योंकि मां को बहू और बहन को भाभी चाहिए।

जरुरत से ज्यादा भगवान को याद मत किया करो क्योंकि, किसी दिन भगवान ने याद कर लिया तो, लेने के देने पड़ जायेंगे।

पत्रकार- 80 साल की उम्र में भी आप बीवी को डार्लिंग कहते हैं, इस प्यार का राज क्या है? बूढ़ा व्यक्ति- बेटे 20 साल पहले इनका नाम भूल गया था, पूछने की हिम्मत नहीं हुई, इसलिए डार्लिंग कहता हूं...

कहानी | ज्ञानी बालक और राजा

कई वर्षों पहले युधिष्ठिर नाम का एक राजा हुआ करता था। उसे शिकार का बड़ा शौक था। एक बार वह अपने सैनिकों के साथ शिकार के लिए जंगल गया हुआ था। वह जंगल में काफी अंदर तक चला गया था। तभी वहां अचानक तेज तूफान आ गया। सब तितर-बितर हो गए। जब बारिश रुकी तो राजा ने देखा कि उसके आस-पास कोई भी नहीं है। राजा अकेला था। उसके सैनिक उससे बिछड़ गए थे। राजा थक भी गया था। भूख और प्यास के मारे उसका बुरा हाल हो रहा था। तभी उसे तीन लड़के आते दिखे। राजा उनसे बोला कि भूख और प्यास के मारे मेरी जान निकल रही है। क्या मुझे कुछ खाना और पानी मिल सकता है। लड़कों ने बोला क्यों नहीं और वे भागकर अपने घर गए और राजा के लिए भोजन और पानी लेकर आए। खाना खाने के बाद राजा बहुत खुश हुआ और उसने उन लड़कों को बताया कि वह फतेहगढ़ का राजा है और तीनों ने जो उसकी मदद की उससे वह बहुत खुश है। राजा ने तीनों लड़कों की सेवा से खुश होकर उन्हें बदले में कुछ मांगने के लिए कहा। इसपर पहले लड़के ने राजा से ढ़ेर सारा धन मांगा, ताकि वह आराम से अपना जीवन व्यतीत कर सके। इसके बाद, दूसरे लड़के ने घोड़ा और बंगले की मांग की, लेकिन तीसरे लड़के ने राजा से धन, दौलत की जगह ज्ञान मांगा। उसने बोला राजा मैं पढ़ना चाहता हूं। राजा राजी हो गया। उसने पहले लड़के को वादानुसार बहुत सारा धन दिया। दूसरे लड़के को बंगला और गोड़ा दिया और तीसरे लड़के के लिए टीचर की व्यवस्था कर दी। बहुत दिन बीतने के बाद एक दिन अचानक राजा को जंगल वाली घटना याद आई, तो उसने उन तीनों लड़कों से मिलना चाहा। उसने तीनों को खाने पर आमंत्रित किया। तीनों लड़के एक साथ आए और खाना खाने के बाद राजा ने तीनों से उनका हाल लिया। इस पर पहला लड़का दुखी होकर बोला- इतना धन पाने के बाद भी आज मैं गरीब हूं। राजा जी आपने जितना धन दिया था अब वह खत्म हो चुका है। मेरे पास कुछ नहीं बचा। राजा ने दूसरे लड़के की तरफ देखा तो उसने कहा- आपके द्वारा दिया गया गोड़ा चोरी हो गया और बंगला बेचकर जो पैसा आया वो भी कुछ खर्च हो चुका है और बचा हुआ भी जल्द खत्म हो जएगा। हम तो फिर वहीं आ गए, जहां से चले थे। अब राजा ने तीसरे लड़के की ओर देखा। तीसरे लड़के ने बोला- राजा मैंने आपसे ज्ञान मांगा था, जो रोजाना बढ़ रहा है। इसी का नतीजा है कि मैं आज आपके दरबार में मंत्री हूं। आज मुझे किसी चीज की जरूरत नहीं है। यह सुनकर दोनों युवकों को काफी अपसोस हुआ।

7 अंतर खोजें

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष स्थायी संपत्ति के कार्य बड़ा लाभ दे सकते हैं। बेरोजगारी दूर करने के प्रयास सफल रहेंगे। आय में वृद्धि तथा उन्नति मनोनुकूल रहेंगे। लाभ के अवसर हाथ आएंगे।

वृषभ पार्टी व पिकनिक का कार्यक्रम बनेगा। स्वादिष्ट व्यंजनों का लाभ मिलेगा। काम में मन लगेगा। व्यापार-व्यवसाय मनोनुकूल रहेंगे। रचनात्मक कार्य सफल रहेंगे।

मिथुन दु-खद सूचना मिल सकती है, धैर्य रखें। फालतू खर्च होगा। कुसंगति से बचें। बेकार की बातों पर ध्यान न दें। अपने काम पर अधिक ध्यान देने की आवश्यकता है।

कर्क भूले-बिसरे साथी तथा आगंतुकों के स्वागत तथा सम्मान पर व्यय होगा। पारिवारिक सहयोग बना रहेगा। आत्मसम्मान बना रहेगा। उत्साहवर्धक सूचना प्राप्त होगी।

सिंह नौकरी में चैन महसूस होगा। घर-बाहर प्रसन्नतादायक वातावरण रहेगा। व्यापार से संतुष्टि रहेगी। संतान की चिंता रहेगी। प्रतिद्वंद्वी तथा शत्रु हानि पहुंचा सकते हैं।

कन्या यात्रा मनोनुकूल मनोरंजक तथा लाभप्रद रहेंगी। भेंट व उपहार की प्राप्ति संभव है। व्यापार-व्यवसाय से मनोनुकूल लाभ होगा। घर-बाहर सफलता प्राप्त होगी।

तुला स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा। बनते कामों में विघ्न आएंगे। चिंता तथा तनाव रहेंगे। जीवनसाथी से सामंजस्य बैठाएं। फालतू खर्च होगा। कुसंगति से बचें।

वृश्चिक बकाया वसूली के प्रयास सफल रहेंगे। यात्रा मनोरंजक रहेगी। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। नौकरी में सुकून रहेगा। जल्दबाजी में कोई आवश्यक वस्तु गुम हो सकती है।

धनु नई योजना लागू करने का श्रेष्ठ समय है। कार्यप्रणाली में सुधार होगा। सामाजिक कार्य सफल रहेंगे। मान-सम्मान मिलेगा। कार्यसिद्धि होगी।

मकर किसी जानकार प्रबुद्ध व्यक्ति का सहयोग प्राप्त होने के योग हैं। तंत्र-मंत्र में रुचि रहेगी। किसी राजनयिक का सहयोग मिल सकता है। लाभ के दरवाजे खुलेंगे।

कुम्भ स्वास्थ्य का ध्यान रखें। चोट व दुर्घटना से बचें। आय में कमी रह सकती है। घर-बाहर असहयोग व अशांति का वातावरण रहेगा। अपनी बात लोगों को समझा नहीं पाएंगे।

मीन प्रेम-प्रसंग में अनुकूलता रहेगी। किसी वरिष्ठ व्यक्ति के सहयोग से कार्य की बाधा दूर होकर लाभ की स्थिति बनेगी। परिवार के लोग अनुकूल व्यवहार करेंगे।

बॉलीवुड | मन की बात

'पठान' का प्रीक्वल भी बनाएं आदित्य चोपड़ा: अब्राहम

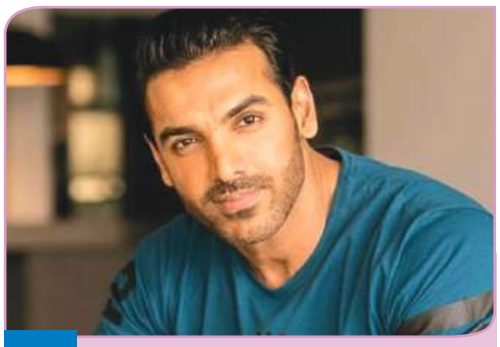

इन दिनों जॉन अब्राहम अपनी फिल्म 'डिप्लौमेट' को लेकर चर्चा में हैं। इस फिल्म में जॉन ने असल डिप्लौमेट रहे जेपी सिंह का रोल किया है। फिल्म की कहानी पाकिस्तानी में फंसी, भारत की एक बेटी को सुरक्षित घर वापस लाने की है। इस फिल्म को लेकर तो जॉन खुश हैं। साथ ही वह चाहते हैं कि प्रोड्यूसर आदित्य चोपड़ा फिल्म 'पठान' का प्रीक्वल भी बनाएं। हॉलीवुड रिपोर्टर को दिए गए एक इंटरव्यू में एक्टर जॉन अब्राहम कहते हैं, 'मैं किसी फ्रैंचाइजी फिल्म का हिस्सा तभी बनता हूं, जब उसमें मेरा किरदार खास होता है। जैसे फिल्म 'पठान' में जिम का मेरा रोल बहुत ही कूल, स्पेशल था।' आगे वह कहते हैं, 'आदित्य चोपड़ा को पठान का प्रीक्वल बनाना ही चाहिए। इसमें मेरे किरदार जिम की बैक स्टोरी क्या है, इसे दिखाया जा सकता है। उम्मीद है कि हम इस फिल्म का प्रीक्वल करेंगे। फिल्म 'पठानी' की कहानी को लेकर भी जॉन बताते हैं कि उनके किरदार जिम के पास्ट के बारे में दर्शकों को पता होना चाहिए। दरअसल, वह मानते हैं कि जिम के किरदार में दम है, उसकी कहानी अच्छी बन सकती है। साथ ही जब उनसे पूछा गया कि क्या वह यशराज यूनिवर्स की फिल्म 'वॉर' में उनके किरदार जिम के लिए कोई संभावना बन सकती है। तो इस पर भी जॉन का कहना है कि कुछ भी संभव हो सकता है। शाहरुख खान की फिल्म 'पठान' में जॉन अब्राहम विलेन के रोल में थे, इस किरदार में कई लेयर्स देखी गईं। शाहरुख के किरदार पठान को यह किरदार अच्छी खासी टक्कर देता है। फिल्म में दीपिका पादुकोण भी एक अहम रोल नजर आईं। जॉन अब्राहम फिल्म 'डिप्लौमेट' के अलावा कुछ और फिल्मों में भी अभिनय कर रहे हैं। इसमें 'तेहरान' और 'तारिक' जैसी फिल्में भी शामिल हैं। इन फिल्मों से जॉन बतौर प्रोड्यूसर भी जुड़े हुए हैं।

मैं शादी के लिए सही इंसान की तलाश कर रही हूं : सुष्मिता

बॉलीवुड की बेहतरीन अभिनेत्री सुष्मिता सेन 49 साल की हो चुकी हैं, लेकिन वह अब भी अकेली हैं। हाल ही में एक फैन ने उनसे उनकी शादी के बारे में पूछा, तो उन्होंने मजेदार जवाब दिया है। अभिनेत्री ने कहा है कि वह शादी के लिए सही इंसान की तलाश कर रही हैं। उन्होंने ये बात इंस्टाग्राम के जरिए कही। सुष्मिता सेन ने फैंस से बातचीत की। चैट के दौरान एक यूजर ने उनसे उनकी शादी के प्लान के बारे में पूछा। इस पर एक्ट्रेस ने कहा कि मैं शादी करना चाहती हूं। मिलना चाहिए न कोई शादी करने लायक। ऐसे थोड़े होती है शादी। कहते हैं न, बहुत रोमांटिक तरीके से तो दिल का रिश्ता होता है, दिल तक बात तो पहुंचनी चाहिए न, शादी भी कर लेंगे। आपको बता दें कि सुष्मिता सेन का नाम आखिरी बार ललित मोदी से जुड़ चुका है। साल 2022 में ललित मोदी के एक सोशल मीडिया पोस्ट ने सनसनी मचा दी थी। उन्होंने सुष्मिता सेन के साथ अपने रिश्ते को लेकर पोस्ट किया था। कयास लगाए गए कि दोनों शादी रचाने वाले हैं। हालांकि, दोनों का ब्रेकअप हो गया। दोनों अपनी-अपनी जिंदगी में आगे बढ़ गए हैं। आपको बता दें कि सुष्मिता लाइम लाइट से दूर रहती हैं। वह अपने करिअर से इतर अपनी निजी जिंदगी को लेकर ज्यादा सुर्खियों में रहती हैं। उन्होंने दो बेटियों को गोद लिया है। वह इनकी परवरिश करती हैं। इस दौरान उनका कई लोगों से नाम जुड़ा। ललित मोदी से पहले अफवाहें थीं कि सुष्मिता सेन रोहमन शॉल के साथ रिश्ते में थीं। हालांकि एक्ट्रेस ने दोनों के साथ शादी को लेकर कुछ भी नहीं कहा।

बॉलीवुड | मसाला

मेरी एक्टर बनने की राह नहीं थी आसान: शाहिद

दिल्ली में जन्म लेने वाले शाहिद कपूर बॉलीवुड के एक प्रमुख अभिनेता हैं। अभिनेता पंकज कपूर और अभिनेत्री नीलिमा अजीम के बेटे शाहिद कपूर ने कई रोमांटिक भूमिकाओं के साथ अपनी पहचान बनाई, लेकिन उनकी सफलता की कहानी केवल फिल्मों तक सीमित नहीं है। शाहिद के संघर्ष और मेहनत ने उन्हें आज के दौर के सबसे सफल अभिनेताओं में से एक रूप में स्थापित किया है। शाहिद कपूर की कड़ी मेहनत और दृढ़ संकल्प का शुरूआत शामक डावर के डांस अकादमी से हुई। 15 साल की उम्र में उन्होंने डांस में अपनी रुचि को महसूस किया और शामक डावर के संस्थान में प्रवेश लिया। यहां शाहिद ने न सिर्फ डांस सीखा बल्कि अपने अभिनय करियर की ओर कदम भी बढ़ाए।

फिल्मों में बैकग्राउंड डांसर के रूप में शुरू हुआ उनका सफर

फिल्मों में बैकग्राउंड डांसर के रूप में उनका सफर यहीं से शुरू हुआ। वह दिल तो पागल है (1997) और ताल (1999) जैसी फिल्मों में सितारों के पीछे डांस करते नजर आए। इन शुरुआती दिनों में उन्होंने कोरियोग्राफर शामक डावर के साथ स्टेज शो में भी परफॉर्म किया, जिससे उनके आत्मविश्वास में इजाफा हुआ। शाहिद कपूर ने फिल्मों में अभिनय से पहले अपने पिता के साथ एक सहायक निर्देशक के रूप में भी काम किया था। 1998 में उन्होंने मोहनदास नाम के टेलीविजन शो में अपने पिता के सहायक निर्देशक के तौर पर काम किया। यह अनुभव उनके लिए बहुत महत्वपूर्ण साबित हुआ, क्योंकि इसने उन्हें फिल्म निर्माण की दुनिया को करीब से समझने का मौका दिया। शाहिद कपूर ने बॉलीवुड के नाम कमाने से पहले टीवी विज्ञापनों में काम करके अपनी पहचान बनानी शुरू कर दी थी। वह कई ब्रांड्स के विज्ञापनों में नजर आए और कई म्यूजिक वीडियो में भी अभिनय किया। वह कुमार सानू के म्यूजिक वीडियो आंखों में में भी दिखे, जो उनके करियर की एक अहम मोड़ साबित हुआ। यहां से निर्माता रमेश तौरानी ने शाहिद को अपनी फिल्म में काम करने का प्रस्ताव दिया। शाहिद कपूर ने फिल्म इश्क विश्क से साल 2003 में डेब्यू किया। इस रोमांटिक कॉमेडी फिल्म में उन्होंने एक कॉलेज छात्र की भूमिका निभाई थी। यह फिल्म एक स्लीपर हिट साबित हुई और उन्हें सर्वश्रेष्ठ नवोदित अभिनेता का फिल्मफेयर अवॉर्ड भी मिला।

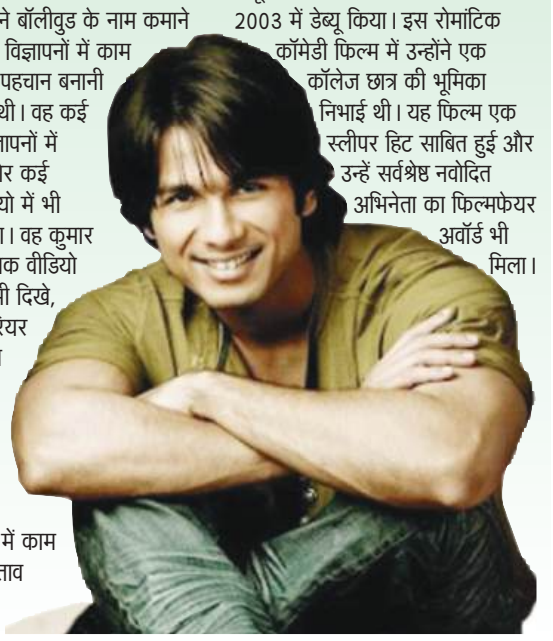

सिर्फ देखने के लिए दुकान में घुसे, तो लगेगा 500 का जुर्माना!

हर जगह के अपने नियम-कानून होते हैं और जब हम वहां जाते हैं, तो इनके मुताबिक ही चलना पड़ता है। भले ही अपने देश में रहते हुए हम दुकानदारों को भैया ये दिखा दो, वो दिखा दो कह-कहकर तंग कर दें लेकिन अगर कहीं विदेश में जाते हैं, तो इस मिज़ाज पर काबू रखना जरूरी हो जाता है। क्या पता इस आदत के लिए आपको लेने के देने पड़ जाएं। आपने अक्सर देखा होगा कि लोग कुछ लेना न भी हो, तो दुकान के अंदर घुसकर फालतू में चीज़ें उतरवा-उतरवाकर देखने लगते हैं। वो तो अपने देश में दुकानदारों को भी इसकी आदत पड़ चुकी है, लेकिन आपके लिए शुभ सलाह ये है कि बार्सेलोना में जाएं, तो ऐसा करने से पहले ज़रा सोच लें। यहां पर एक ग्रोसरी स्टोर है, जो काफी पुराना है। इस स्टोर का नियम ये है कि यहां आकर आप ये 'भैया ये दिखाओ' वाला जुमला नहीं दोहराएंगे। Queviures Múrria नाम का ये ग्रोसरी स्टोर बार्सेलोना में सन 1898 से चल रहा है। ये काफी मशहूर इलाके में है और इसे जिस तरह से सजाया-धजाया गया है कि सैकड़ों सैलानी यहां आने पर इसे अंदर से जरूर देखना चाहते हैं। अब दिक्कत ये है कि इनमें से ज्यादातर को दुकान की चीजों में कोई दिलचस्पी नहीं होती है, वो सिर्फ इंटीरियर देखने आते हैं। न तो वो कोई बातचीत करते हैं न ही कुछ लेते हैं, सिर्फ सेल्फी और फोटो लेकर यहां से चले जाते हैं। दुकानदार से वो बात तक नहीं करते। ऐसे में दुकानदार ने टाइम बर्बाद करने का जुर्माना मांग लिया है। फिलहाल स्टोर को टोनी मेरिनो चलाते हैं। लोगों के लिए ये मजाक है लेकिन यहां काम करने वाले सैलानियों के इस तरह आने से परेशान थे। ऐसे में उन्होंने बोर्ड लगाकर लिख दिया - 'सिर्फ देखने के लिए अंदर आना है, तो 5 यूरो (461 रुपये) की फीस दें'। ये फीस भी हर आदमी पर लगेगी। अब ये बोर्ड वायरल हो गया है, हालांकि इस मार्केट में ही लोगों का आना काफी कम हुआ है।

अजब-गजब | यहां 24 घंटे के लिए होती है शादी

40 हजार में मिल जाती हैं दुल्हनें!

दुनिया में अलग-अलग किस्म की संस्कृतियां हैं। हर जगह पर लोगों के रहन-सहन और शादी-ब्याह को लेकर अपने रीति-रिवाज होते हैं। कहीं शादियां जल्दी हो जाती हैं तो कहीं ये कई दिनों तक चलती हैं। कहीं लड़की वाले दहेज देते हैं तो कहीं लड़के वालों को दहेज देना पड़ता है। और तो और कुछ जगहों पर शादी भी किसी फिल्म की तरह कुछ घंटे ही चलती है। हम बात कर रहे अपने पड़ोसी देश चीन की, जहां के कुछ इलाकों में पुरुष सिर्फ 24 घंटे के लिए शादी करते हैं।

साउथ चाइना मॉर्निंग पोस्ट की खबर के मुताबिक चीन में जो लोग इतने गरीब होते हैं कि शादी के दौरान लड़की को तोहफे और पैसे नहीं दे पाते, उनकी शादी ही नहीं होती है। ऐसे में वो एक खास किस्म की शादी करते हैं, जिसके ज़रिये वो सिर्फ शादीशुदा कहलाते हैं। मैगजीन की रिपोर्ट के मुताबिक एक दिन की शादी का ट्रेंड चीन के हुबेई प्रोविंस में खासकर ग्रामीण इलाकों में चल रहा है। यहां जो लड़के गरीब होते हैं और उनकी शादी नहीं हो पाती, वो मरने से पहले नाम के लिए शादी करते हैं। पिछले 6 सालों में ये चलन बढ़ा है। इस तरह की शादी कराने वाले एक शख्स का कहना है कि उनके पास कई पेशेवर दुल्हनें हैं, जो 40 हज़ार रुपये लेकर शादी करती हैं, जबकि उन्हें इसमें से 1000 युआन का कट मिलता है। ये लड़कियां वो होती हैं, जो ज्यादातर बाहर की होती हैं और जिन्हें पैसे की ज़रूरत होती है। दरअसल हुबेई के रूरल एरिया में ऐसा मानना है कि इंसान को उसकी मौत के बाद फैमिली ग्रेवयार्ड में तभी दफनाया जाएगा, जब वो शादीशुदा होगा। ऐसे में गरीब पुरुष शादी करके अपने पुश्तैनी कब्रगाह पर दुल्हन को लेकर जाते हैं और पूर्वजों को बताते हैं कि उनकी शादी हो चुकी है। इसके बाद उनकी जगह कब्रगाह में पक्की हो जाती है। वैसे एक वजह ये भी है कि चीन में लड़की को दिया जाने वाला दहेज भी लड़के को नहीं देना पड़ता, जो आमतौर पर 11 लाख से कम नहीं होता। आपको बता दें कि कि चीन रेंटल गर्लफ्रेंड, ब्वॉयफ्रेंड यहां तक कि माता-पिता भी मिल जाते हैं।

हरियाणा में फिर सियासी गहमा गहमी हुई तेज

हुड्डा के नेता प्रतिपक्ष बनने की संभावना पर चौधरी का तंज

» किरन चौधरी बोलीं- हुड्डा और उनके बेटे दीपेंद्र के रहते कांग्रेस नहीं बढ़ सकती

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

भिवानी। हरियाणा में भाजपा के सरकार बनें लगभग पांच महीने हो रहे हैं। वहां पर फिर राजनीति गहमागहमी शुरू हो गई है। ये रसाकस्सी भाजपा व कांग्रेस दोनों में हैं। भाजपा की राज्यसभा सदस्य किरण चौधरी ने पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा पर कटाक्ष करते हुए कहा कि हुड्डा को भाजपा में लाने की जरूरत नहीं है।

क्योंकि वह पहले से ही भाजपा के लिए काम कर रहे हैं। राज्य सभा सांसद ने हुड्डा और उनके बेटे दीपेंद्र सिंह हुड्डा पर निशाना साधते हुए कहा कि जब तक ये दोनों कांग्रेस में हैं, पार्टी आगे नहीं बढ़ सकती। किरण चौधरी ने कहा कि दिल्ली चुनावों में कांग्रेस का सूपड़ा साफ हो गया, और अब पार्टी के खत्म होने के पूरे आसार हैं। उन्होंने दावा किया कि निकाय चुनावों में भाजपा पूर्ण बहुमत से जीत दर्ज करेगी। हुड्डा के भाजपा में आने की चर्चा पर तंज कसते हुए किरण चौधरी ने कहा कि हुड्डा तो शुरू से हमारे (भाजपा) के साथ हैं और हमारा ही काम कर रहे हैं। इसके लिए मैं उनका आभार जताती हूं। किरण चौधरी ने कहा कि कांग्रेस में कुछ बचा नहीं है, और अब हर नेता जनहित के कामों के लिए दूसरी पार्टियों में जगह तलाश रहा है। उन्होंने दावा किया कि कांग्रेस तेलंगाना और कर्नाटक में भी अगली बार हार जाएगी। हुड्डा के नेता प्रतिपक्ष बनने की संभावनाओं पर टिप्पणी करते हुए उन्होंने कहा कि जब तक बाप-बेटा (भूपेंद्र और दीपेंद्र हुड्डा) कांग्रेस में बैठे हैं, तब तक पार्टी उभरने नहीं वाली। ऐसे नेताओं की वजह से ही कांग्रेस खत्म हो रही है।

जनता कांग्रेस को जिताना चाहती थी, कमियां हमारी पार्टी में रहीं : कुमारी सैलजा

कांग्रेस की दिग्गज नेता कुमारी सैलजा ने कहा कि हरियाणा विधानसभा चुनाव में जनता कांग्रेस को जिताना चाहती थी, कार्यकर्ताओं ने मेहनत भी की, लेकिन इसके बावजूद कांग्रेस हारी। इसमें काफी कमियां पार्टी में रही हैं। इन कमियों को दूर किया जाएगा, तभी आगे बात बनेगी। सैलजा ने कहा कि सिरसा लोकसभा क्षेत्र से जनता ने उन्हें फिर से मौका दिया। क्योंकि उनका लोगों से संपर्क हमेशा बना रहा। उन्होंने कहा कि विधानसभा चुनाव में पार्टी को जो उम्मीदें थी, वो पूरी नहीं हुईं। पार्टी के पास संगठन का भी अभाव है, इसको नकारा नहीं जा सकता। उन्होंने कहा कि नशे पर लगाम लगानी चाहिए, इसके लिए वे भी शुरुआत से आवाज उठाती आई हैं। प्रशासन को चाहिए कि छोटी नहीं बल्कि बड़ी मछलियों को पकड़ें। नशा रुका तो अपराध भी रुक जाएगा। घग्गर के मुद्दे पर कुमारी सैलजा ने कहा कि हाल ही में दिल्ली के चुनाव में यमुना का प्रदूषण मुद्दा बना था। हरियाणा सरकार को देखना होगा कि उत्तरी हरियाणा से यहां तक बहने वाली नदी नाला बन चुकी है। यह हमारी फूड चेन और स्वास्थ्य को प्रभावित कर रही है। यह मेरी और आपकी चिंता नहीं बल्कि सरकार की चिंता होनी चाहिए।

मैं जन्म से कांग्रेसी हूं : डीके शिवकुमार

» भाजपा में शामिल होने की अटकलों को किया खारिज, बोले- बीजेपी के आरोपों को गंभीरता से नहीं लेता

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

बेंगलुरू। कर्नाटक में उपमुख्यमंत्री शिवकुमार के एक कार्यक्रम में गृहमंत्री अमित शाह से मुलाकात को लेकर सियासी बवाल मच गया है। लोगों ने कयास लगाना शुरू कर दिया है कि वह भाजपा में जा रहे हैं हालांकि उन्होंने इसका खंडन कर दिया है। बता दें शिवकुमार ने पहले प्रयागराज महाकुंभ में स्नान किया और फिर यूपी की योगी सरकार की तारीफ की। इसके बाद वह महाशिवरात्रि के उत्सव पर सद्गुरु जग्गी वासुदेव के ईशा योगा सेंटर में गए। इस कार्यक्रम में गृहमंत्री भी पहुंचे हुए थे। इसके बाद से अटकलें लगाई जा रही हैं कि डीके शिवकुमार भी अब बीजेपी में शामिल हो सकते हैं, इसको लेकर जब उनसे पूछा गया तो उन्होंने कहा कि मैं जन्म से ही कांग्रेसी हूं।

डीके शिवकुमार ने कहा, ईशा फाउंडेशन आने के लिए मेरी पहले ही आलोचना हो चुकी है। मुझे सदगुरु ने आमंत्रित किया था, इसलिए मैं यहां आया। मैं जन्म से हिंदू हूं, जो सभी धर्मों से प्यार करता है, इसका मतलब यह नहीं है कि मैं बीजेपी के करीब आ रहा हूं, लेकिन मैं अमित शाह से भी नहीं मिला हूं। डिप्टी सीएम ने कहा कि मैंने मीडिया और सोशल मीडिया में देखा है और मेरे दोस्त भी फोन करके पूछ रहे हैं कि क्या मैं बीजेपी के करीब आ रहा हूं, लेकिन ऐसा नहीं है। उन्होंने कहा कि महाकुंभ में मेरी आस्था है और मैं सभी धर्मों का सम्मान करता हूं। ऐसी अटकलें मेरे करीब भी नहीं फटकतीं। मैं बीजेपी के आरोपों को गंभीरता से नहीं लेता।

दूल्हा बने शिव और दुल्हन बनीं मां गौरा

» शिव बारात में झूम के नाचे भक्त

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

दोस्तपुर। स्थानीय कस्बे में महाशिवरात्रि के पावन अवसर पर बभनैया पश्चिम के शिव मंदिर से भव्य शिव बारात निकाली गई। डीजे की धुन पर थिरकते बाराती दूल्हे के रूप में विराजमान महादेव के साथ इस धार्मिक आयोजन में शामिल हुए। शिव बारात कस्बे के विभिन्न हिस्सों से होते हुए चौक स्थित शिव मंदिर पहुंची, जहां महादेव का विवाह माता पार्वती के साथ धूमधाम से संपन्न हुआ। इस दौरान भक्तों ने मंत्रोच्चारण और आरती में भाग लिया और धार्मिक आनंद का अनुभव किया।

विवाह समारोह के बाद, बारात पुन: बभनैया पश्चिम लौट आई, जहां पार्वती जी का स्वागत किया गया। इसके बाद भव्य आरती का आयोजन हुआ और प्रसाद वितरण के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ। इस

आयोजन में थाना प्रभारी दोस्तपुर पं. त्रिपाठी ने पुलिस बल के साथ सुरक्षा व्यवस्था की निगरानी की, जबकि अधिशासी अधिकारी सचिन पांडेय के निर्देशन में कस्बे में सफाई व्यवस्था के लिए विशेष इंतजाम किए गए थे। इस कार्यक्रम में हजारों श्रद्धालुओं ने भाग लिया और धार्मिक समागम का आनंद लिया।

जान जोखिम में डाल करवाया जा रहा काम

» बिना सुरक्षा उपकरणों के खोदी जा रही गहरी सीवर

» हादसे में दो कर्मचारियों की जा चुकी है जान

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। जल निगम के महत्वाकांक्षी प्रोजेक्ट सीवर पर केके स्पन कंपनी ग्रहण लगाने का काम कर रही है। नियमों के विपरीत इस कंपनी पर लगातार गलत तरीके से कार्य करने के आरोप लग रहे हैं। हद तो तब हो गयी जब सरकारी कार्य में ही कंपनी कटिया का इस्तेमाल कर विद्युत विभाग को करोड़ों का चूना लगा रही है। बिना सुरक्षा के के स्पन इंडिया लिमिटेड के सीजीपीएस कैंपस में रखे कंटेनर में बने ऑफिस में पिछले कई वर्षों से चोरी की बिजली चल रही है।

गौरतलब है कि कंपनी को टेंडर जारी

केके स्पन कंपनी पर लग रहे हैं लगातार आरोप

1 जनवरी 2019 को 209 करोड़ रूपये का सीवर लाइन हाउस कनेक्शन और 42एमएलडी का पंपिंग स्टेशन बनाने का कार्य जल निगम द्वारा दिया गया था। इस कार्य को पूरा करने का समय 31 दिसम्बर, 2020 था। तारीख निकल चुकी है काम अभी भी चल रहा है। इस कार्य को पूरा होने के बाद 26हजार घरों में कनेक्शन होना था जोकि अभी पेंडिंग है। कंपनी पर आरोप है कि कंपनी बिना सुरक्षा उपकरणों के लिए मजदूरों से कार्य करवा रही है।

बिना सुरक्षा मापदंडों के कार्य

पूर्व में भी एक बड़ा हादसा काम के दौरान हो चुका है। उस हादसे में जल निगम के 2 लोगों की मौत सीवर की सफाई करते समय हुआ था हादसा बिना सेफ्टी के काम चल रहा है सुरक्षा के कोई इंतेज़ाम नहीं जिनको निलंबित किया गया था जेई और एई आखिर किसकी सिफारिश के चलते उनकी चंद दिनों में वापसी हो गई गुडलक वर्मा मुनेश अली ये दोनों लोग सस्पेंड हुए थे 2महीने बीत जाने के बाद ही फिर से उसी पद पर उसी यूनिट पर वापसी हो गई फिर से वही लोग सीवर सफाई का कार्य उसी व्यवस्था का काम चल रहा है।

अब तक हुआ 225 करोड़ का भुगतान

जेई गुडलक वर्मा द्वारा बताया गया कि सीवर से मिट्टी निकालने का काम चल रहा है। अतहर कादरी अधिशाषी अभियंता नगरीय से बात करने पर उनके द्वारा दी गई जानकारी की 13हजार घरों के कनेक्शन हो चुका है लेकिन जिओ टैग द्वारा नहीं है डेटा उनके पास। सूत्रों द्वारा मिली जानकारी के अनुसार लगभग 225 करोड़ का भुगतान विभाग द्वारा केके स्पन इंडिया लिमिटेड कंपनी को किया जा चुका है। काम अभी अधूरा है। दूसरे विभाग को कार्य हैंडओवर भी नहीं हुआ है आखिर किसकी शय पर कंपनी को समय दिया जा रहा है।

इंग्लैंड चैंपियन ट्रॉफी से बाहर

» जादरान चैंपियंस ट्रॉफी में सर्वोच्च स्कोर (177 रन) बनाने वाले बने बल्लेबाज

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लाहौर। इब्राहिम जादरान की शतकीय और अजमतुल्लाह उमरजई की घातक गेंदबाजी की बदौलत अफगानिस्तान ने इंग्लैंड को चैंपियंस ट्रॉफी से बाहर का रास्ता दिखा दिया। बुधवार को लाहौर के गद्दाफी स्टेडियम में खेले गए मुकाबले में टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी अफगान ने 50 ओवर में सात विकेट खोकर 325 रन बनाए। जवाब में इंग्लैंड की टीम 49.5 ओवर में 317 रन ही बना सकी और ऑलआउट हो गई।

अफगानिस्तान ने आठ रन से दी मात

इस तरह अफगानिस्तान ने आठ रन से मौजूदा टूर्नामेंट में अपनी पहली जीत दर्ज की। जोस बटलर की टीम का सफर इस टूर्नामेंट में समाप्त हो गया। इससे पहले उन्हें ऑस्ट्रेलिया ने पांच विकेट से हराया था। अब टीम को अपना अगला मुकाबला दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ खेलना है। वहीं, अफगान शुरुआती झटकों के बाद जादरान ने कप्तान हशमातुल्लाह शाहिदी के साथ मिलकर चौथे विकेट के लिए 103 रनों की साझेदारी की। और 146 गेंदों की अपनी पारी में 12 चौके और छह छक्के लगाकर 177 रन बनाए। जो चैंपियंस ट्रॉफी इतिहास का सबसे बड़ा व्यक्तिगत स्कोर है। अफगानिस्तान ने इस जीत के साथ टूर्नामेंट में अपनी उम्मीदों को जिंदा रखा है। ग्रूप बी की तालिका में टीम दो अंक के साथ तीसरे पायदान पर पहुंच गई है। वहीं इंग्लैंड के लिए जो रूट ने शतकीय पारी खेली। उन्होंने 111 गेंदों में 120 रन बनाए। इस दौरान उनके बल्ले से 11 चौके और एक छक्का निकला। वहीं लक्ष्य का पीछा करने उतरी इंग्लैंड ने आखिरी दम तक जीत की कोशिश की लेकिन अफगानी गेंदबाजों के हाथों उसे शिकस्त मिली।

जोफ्रा आर्चर ने बनाया बड़ा रिकॉर्ड

इंग्लैंड के तेज गेंदबाज जोफ्रा आर्चर ने बुधवार को अफगानिस्तान के खिलाफ जारी चैंपियंस ट्रॉफी के मुकाबले में बड़ी उपलब्धि हासिल कर ली। वह अपनी टीम के लिए वनडे में सबसे तेज 50 विकेट पूरे करने वाले गेंदबाज बन गए। इस मामले में उन्होंने जेम्स एंडरसन को पीछे छोड़ दिया। उन्होंने यह कारनामा सिर्फ 30 पारियों में किया जबकि महान गेंदबाज जेम्स एंडरसन ने यह कारनामा 31 पारियों में किया था।

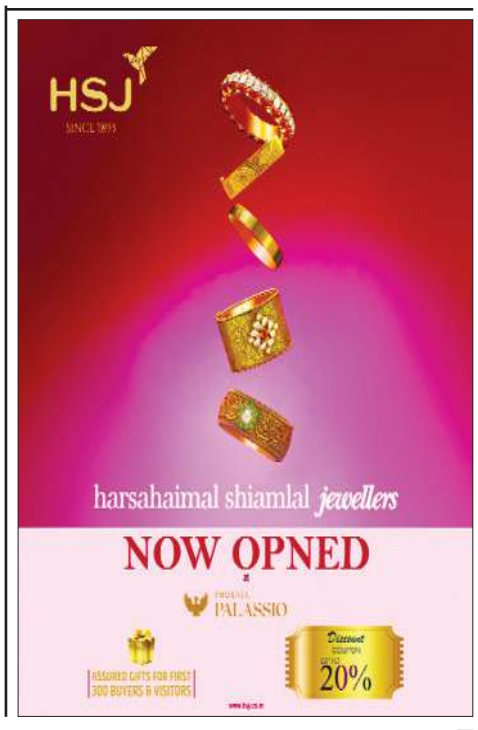

पंजाब से राज्यसभा जाएंगे केजरीवाल मचा सियासी बवाल

संजीव अरोड़ा की उम्मीदवारी से बदले समीकरण

अकाली दल, भाजपा व कांग्रेस ने आप को घेरा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चंडीगढ़। लुधियाना पश्चिम उपचुनाव के लिए आम आदमी पार्टी ने राज्यसभा सदस्य संजीव अरोड़ा का नाम घोषित किया। इसके साथ ही साफ हो गया है कि आप अरविंद केजरीवाल को राज्यसभा के जरिए संसद में भेजना चाहती है। इस खबर के आते हीं पंजाब में कोहराम मच गया है।

शिरोमणि अकाली दल, भाजपा व कांग्रेस ने आप पर जमकर हमला बोला है। अगर राज्यसभा सांसद संजीव अरोड़ा को लुधियाना पश्चिम उपचुनाव से आप उम्मीदवार के तौर पर नामित किया गया है तो मुझे यकीन है कि अरविंद केजरीवाल अपनी राज्यसभा सदस्यता ले लेंगे। यह स्पष्ट है कि केजरीवाल ने अरोड़ा को पंजाब में कैबिनेट में जगह दिलाने की रिश्वत दी गई है। अगर ऐसा होता है तो इसका मतलब है कि केजरीवाल पिछले दरवाजे से सत्ता में आएंगे और सत्ता में आए बिना नहीं रह पाएंगे। इसका मतलब यह भी होगा कि पंजाब के अधिकारों का हनन होगा और साथ ही पंजाब में एक ऐसा सांसद होगा जो पंजाबी नहीं जानता। मुझे आश्चर्य है कि भगवंत मान इस निर्णय का बचाव कैसे करेंगे क्योंकि वे पंजाबी भाषा के पक्ष में आवाज उठाते रहे हैं और अक्सर पंजाब के विपक्षी नेताओं को कॉन्वेंट स्कूलों में पढ़ने के लिए फटकार लगाते रहे हैं? संक्षेप में कहें तो यह गौरवशाली पंजाब राज्य के लिए काला दिवस होगा।

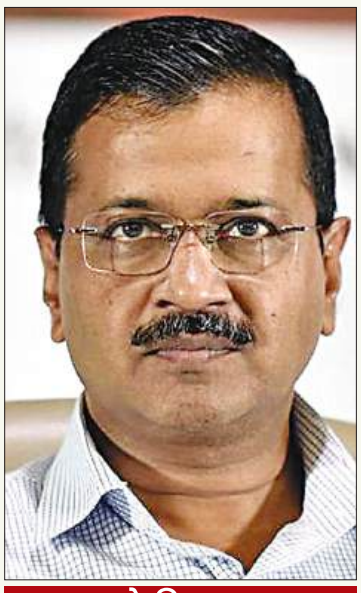

आप ने किया खंडन

अरविंद केजरीवाल के पंजाब से राज्यसभा जाने की चर्चाओं का आम आदमी पार्टी ने खंडन किया है। पार्टी प्रवक्ता प्रियंका कक्कड़ ने सभी अफवाहों को आधारहीन बताया है।

आप पंजाब को बर्बाद कर रही है : मजीठिया

शिरोमणि अकाली दल के वरिष्ठ नेता बिक्रम सिंह मजीठिया ने कहा कि अरविंद केजरीवाल की सत्ता की लालसा उजागर हुई। आम आदमी पार्टी ने लुधियाना पश्चिम से राज्यसभा सदस्य संजीव अरोड़ा को अपना उम्मीदवार बनाया है। अब उनकी राज्यसभा सीट खाली करके अरविंद केजरीवाल या मनीष सिसोदिया को पंजाब से राज्यसभा सदस्य बनाया जाएगा। एक बार फिर पंजाब दिल्ली के लिए कुर्बान होने को तैयार हो रहा है। आप पंजाब को बर्बाद कर रही है। भगवंत मान कहते हैं कि इससे कोई फर्क नहीं पड़ता। दिल्ली के लोगों को खुश होना चाहिए। यूथ अकाली दल के राष्ट्रीय अध्यक्ष सरबजीत सिंह झिंझर ने कहा कि ये दिल्ली अक्स को पंजाब में लाने का और भगवंत मान से सत्ता छीनने का एक और प्रयास है। पंजाब के लोग इनको सबक सिखाएंगे।

आप विधायकों को दिल्ली विस परिसर में एंट्री पर रोक

नई दिल्ली। दिल्ली विधानसभा सत्र का आज (गुरुवार, 27 फरवरी) तीसरा दिन है। इस बीच विपक्षी दल आम आदमी पार्टी के विधायकों को दिल्ली विधानसभा परिसर में एंट्री करने से रोक दिया गया। सत्र के दूसरे दिन ही आप के 21 विधायकों को पूरे सेशन के लिए सस्पेंड कर दिया गया था। अब उनके परिसर में भी आने पर रोक लगा दी गई है। इसको लेकर नेता प्रतिपक्ष आतिशी बीजेपी की रेखा गुप्ता सरकार पर हमलावर हैं।

भाजपा वालों ने सरकार में आते ही तानाशाही की हदें पार कर दीं : आतिशी

आप नेता आतिशी ने आरोप लगाया है कि आप विधायकों ने जय भीम के नारे लगाए थे, इसलिए उन्हें सत्र से निलंबित कर दिया गया था। आतिशी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट कर लिखा, भाजपा वालों ने सरकार में आते है तानाशाही की हदें पर कर दी। 'जय भीम' के नारे लगाने के लिए तीन दिन के लिए आम आदमी पार्टी के विधायकों को सदन से निलंबित किया और आज आप विधायकों को विधान सभा परिसर में घुसने भी नहीं दिया जा रहा। ऐसा दिल्ली विधानसभा के इतिहास में कभी नहीं हुआ कि चुने हुए विधायकों को विधानसभा परिसर के अंदर नहीं घुसने दिया जा रहा।

विधानसभा अध्यक्ष से मुलाकात करेंगे निलंबित विधायक

सदन परिसर में जाने की परमिशन न मिलने पर आम आदमी पार्टी के निलंबित विधायक स्पीकर विजेंद्र गुप्ता से मुलाकात कर सकते हैं. जानकारी के लिए बता दें कि सत्र के दूसरे दिन जब उपराज्यपाल वीके सक्सेना का अभिभाषण जारी था, तब आम आदमी पार्टी के विधायक सदन में हंगामा कर रहे थे। इस वजह से स्पीकर ने वहां मौजूद सभी 21 विधायकों को तीन दिन के लिए निलंबित कर दिया था. इसकी मियाद शुक्रवार (28 फरवरी) तक है. हालांकि, अमानतुल्लाह खान उस दौरान वहां मौजूद नहीं थे, इसलिए उनके खिलाफ निलंबन की कार्रवाई नहीं हुई।

राहुल गांधी और उद्धव ठाकरे नहीं गए महाकुंभ : अठावले

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। केंद्रीय मंत्री रामदास अठावले ने शिवसेना (यूबीटी) प्रमुख उद्धव ठाकरे और कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर महाकुंभ में शामिल नहीं होकर हिंदू समुदाय का अपमान करने का आरोप लगाया और हिंदू मतदाताओं से उनका बहिष्कार करने का आग्रह किया। महाराष्ट्र के एक प्रमुख दलित नेता और भाजपा के सहयोगी अठावले ने प्रयागराज में चल रहे कुंभ मेले में भाग नहीं लेने के दौरान हिंदुत्व की वकालत करने के लिए ठाकरे की आलोचना की।

अठावले ने कहा कि ठाकरे हिंदुत्व की बात करते हैं लेकिन उन्होंने प्रयागराज में चल रहे कुंभ मेले में हिस्सा नहीं लिया। रामदास अठावले ने कहा कि ठाकरे और गांधी परिवार ने महाकुंभ में भाग न लेकर हिंदुत्व का अपमान किया है। हिंदू होना और महाकुंभ में शामिल न होना हिंदुओं का अपमान है और हिंदुओं को उनका बहिष्कार करना चाहिए। केंद्रीय सामाजिक न्याय राज्य मंत्री ने आगे कहा कि लोगों की भावनाओं को देखते हुए उन्हें महाकुंभ में हिस्सा लेना चाहिए था। अठावले ने कहा, वे हमेशा हिंदू वोट चाहते हैं, इसके बावजूद वे महाकुंभ में शामिल नहीं हुए। मुझे लगता है कि हिंदू मतदाताओं को उनका बहिष्कार करना चाहिए। नवंबर 2024 के महाराष्ट्र विधानसभा चुनावों का जिक्र करते हुए उन्होंने आगे कहा, हिंदू मतदाताओं ने हाल ही में हुए चुनावों में इन नेताओं को सबक सिखाया। प्रयागराज के त्रिवेणी संगम पर 45 दिवसीय महाकुंभ का समापन महाशिवरात्रि पर हुआ।

सैम पित्रोदा के हैकिंग वाले दावे पर शिक्षा मंत्रालय तिलमिलाया

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। इंडियन ओवरसीज कांग्रेस के अध्यक्ष सैम पित्रोदा ने दावा किया कि आईआईटी रांची के छात्रों को वर्चुअली संबोधित करते समय किसी ने कार्यक्रम को हैक कर लिया। इसके बाद आपत्तिजनक सामग्री चला दी। अब इसको लेकर शिक्षा मंत्रालय ने सैम पित्रोदा को घेर लिया है और वह उनपर कानूनी शिकंजा कसने की तैयारी कर रही है। शिक्षा मंत्रालय ने पित्रोदा के दावों का खंडन किया और कहा कि रांची में कोई आईआईटी नहीं है।

» कहा- कांग्रेस नेता को कानूनी परिणाम भुगतने होंगे

मंत्रालय ने यह भी कहा कि अगर आईआईटी जैसे प्रतिष्ठित संस्थान की छवि को धूमिल करने की कोशिश की गई तो कानूनी परिणाम भी भुगतने होंगे।शिक्षा मंत्रालय ने एक्स पोस्ट में लिखा कि यह संज्ञान में आया है कि सैम पित्रोदा ने 22 फरवरी 2025 को अपने एक्स हैंडल पर एक वीडियो साझा किया था। उन्होंने वीडियो में कहा कि वह आईआईटी रांची में सैकड़ों छात्रों को संबोधित कर रहे थे और किसी ने उसे हैक कर लिया। कुछ आपत्तिजनक सामग्री चलानी शुरू कर दी। इससे कार्यक्रम बाधित हो गया।

आईआईटी से निकले कई प्रतिभाशाली लोग

मंत्रालय ने कहा कि इस तरह का लापरवाही भरा बयान देश के एक अत्यंत प्रतिष्ठित संस्थान यानी भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान की छवि को खराब करने की कोशिश लगती है। यह संस्थान समय की कसौटी पर खरा उतरा है। यहां से देश के कुछ सबसे प्रतिभाशाली लोग निकले हैं। आईआईटी की प्रतिष्ठा छात्रों, शिक्षकों और शिक्षाविदों की योग्यता, कड़ी मेहनत और उपलब्धि पर टिकी है। शिक्षा मंत्रालय ने कांग्रेस नेता सैम पित्रोदा के बयान की निंदा की और कहा कि इस प्रमुख संस्थान की छवि को खराब करने के ऐसे किसी भी प्रयास के लिए कानूनी परिणाम भुगतने होंगे।

वक्फ बिल में 14 बदलावों को मोदी सरकार ने दी मंजूरी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में केंद्रीय मंत्रिमंडल ने संशोधित वक्फ (संशोधन) विधेयक को मंजूरी दे दी है, जिसमें संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) द्वारा दिए गए सुझाव शामिल थे। रिपोर्ट में कहा गया है कि बिल अब अगले संसद सत्र में पेश किया जाएगा, जो 10 मार्च से शुरू होगा। भाजपा सांसद जगदंबिका पाल ने जेपीसी समीक्षा का नेतृत्व किया और 27 जनवरी को विधेयक को अनुमति देने से पहले इसमें 14 संशोधनों को अपनाया। समिति की 655 पेज की रिपोर्ट बाद में 13 फरवरी को दोनों संसद सदनों में पेश की गई।

वक्फ संशोधन विधेयक को भारतीय बंदरगाह विधेयक के साथ मंजूरी दे दी गई और इसे शेष बजट सत्र के लिए सरकार की प्राथमिकता सूची में जोड़ा गया है। कुल 66 संशोधन पेश किए गए - 23 सत्तारूढ़ भाजपा के नेतृत्व वाले राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) के सांसदों द्वारा और 44 विपक्ष द्वारा। लेकिन विपक्षी संशोधनों को पार्टी आधार पर खारिज कर दिया गया क्योंकि समिति में भाजपा या उसके सहयोगियों के 16 सांसद और विपक्ष के 10 सांसद हैं। एक नया विवाद तब छिड़ गया जब विपक्षी सांसदों ने दावा किया कि संसद में पेश की गई अंतिम जेपीसी रिपोर्ट से उनके असहमति नोट के कुछ हिस्से हटा दिए गए हैं।

मेरे बारे में झूठ फैला रहे गद्दारों को करूंगा बेनकाब : अभिषेक बनर्जी

सांसद बोले- भाजपा में शामिल होने की बातें बकवास

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कोलकाता। तृणमूल कांग्रेस की बैठक में अभिषेक बनर्जी ने खुद को लेकर चल रहे अफवाह पर अपनी चुप्पी तोड़ी है। उन्होंने कहा कि जो लोग कह रहे हैं कि मैं भाजपा में शामिल हो रहा हूं, वे झूठ फैला रहे हैं। मैं तृणमूल कांग्रेस में गद्दारों को बेनकाब करता रहूंगा, जैसा कि मैंने विधानसभा चुनाव के दौरान किया था। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि मैं तृणमूल कांग्रेस का निष्ठावान सिपाही हूं, मेरी नेता ममता बनर्जी हैं।

तृणमूल के अखिल भारतीय महासचिव अभिषेक ने कहा कि ममता बनर्जी ने कहा कि दो-तिहाई सीटें जीतनी चाहिए। यानी 196। लेकिन मैं कहूंगा कि 214 टॉप वह जगह है जहां हमें जाना चाहिए। अभिषेक ने यह भी कहा,

मतदाता सूची का काम हो चुका है। मतदाता सूची में कोताही नहीं बरतनी चाहिए। 26 के लिए हमें इसके लिए तैयार रहना चाहिए। किसी के कॉल करने और निर्देश देने के इंतज़ार में न बैठे रहें। जो लोग टीम से प्यार करते हैं, उन्हें खुद ही मैदान में उतरना होगा। दूसरी ओर पश्चिम बंगाल में बुधवार को राजनीतिक गलियारों में उस समय हलचल मच गई, जब यह बात सामने आई कि सीबीआई ने ''स्कूल में नौकरी घोटाला'' मामले में दाखिल तीसरे पूरक आरोपपत्र में किसी अभिषेक बनर्जी का नाम लिया है।

टनल के गाद और पानी में उतरेगी रेस्क्यू टीम

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

हैदराबाद। तेलंगाना में श्रीशैलम लेफ्ट बैंक कैनाल हादसे में फंसे 8 मजदूरों को बचाने के लिए ऑपरेशन का गुरुवार (27 फरवरी) को छठवां दिन है(अब तक मजदूरों से किसी भी तरह के संपर्क नहीं हो पाने से उनके जीवित खोजे जाने की उम्मीद धीरे-धीरे खत्म होती जा रही है।

तेलंगाना के मंत्री उत्तम कुमार रेड्डी ने बुधवार (26 फरवरी, 2025) को आश्वासन दिया था कि बचाव अभियान दो दिनों में तेजी से पूरा हो जाएगा। इसमें क्या ताजा अपडेट हैं, इसपर भी नजर डालते हैं। विपक्षी दल बीआरएस ने एक बार फिर सुरंग ढहने की जांच हाई कोर्ट के मौजूदा न्यायाधीश से कराने की मांग की है. बीआरएस का कहना है, हम अभियान पर यथास्थिति बनाए रखने की मांग करते हैं। 108 घंटे से ज्यादा हो गए है, फंसे हुए 8 लोगों के परिवार को जवाब चाहिए, सस्ती राजनीति नहीं।

108 घंटे बाद भी मजदूरों के बचे होने की उम्मीद

सुरंग के अंदर पहुंचा बचाव दल

बचाव अभियान में जुटी रेस्क्यू टीम का लेटेस्ट वीडियो भी सामने आया, जिसमें बचाव दल के लोग सुरंग में जाने का प्रयास कर रहे हैं. इसमें देखा जा सकता है कि सुरंग में काफी अंधेरा है और बेदम संकरी सी जगह पर टीम के लोग जाते दिखाई दे रहे हैं।

तेलंगाना हादसा

स्वामी 4 पीएम न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक संजय शर्मा द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित एवं 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। महाराष्ट्र कार्यालय :- 2 जी, कृष्णा कुटीर सागरिका CHS जुहू तारा रोड जुहू- मुंबई- 400049। संपादक - संजय शर्मा, विधि सलाहकार: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, वित्तीय सलाहकार: संदीप बंसल, कार्टूनिस्ट: हसन जैदी, दूरभाष: 0522- 4078371 | Email: daily4pm@gmail.com | website: www.4pm.co.in | RNI-UPHIN/2015/62233 डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020 *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।